RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार 25 जून, 2024 वर्षः-12 अंक-58 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री साव के नेतृत्व में आये दल को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पड़ौसी राज्य छत्तीसगढ़ की भौगोलिक सीमा के साथ-साथ दोनों राज्यों की साझा सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत है। दोनों राज्यों की सरकारों द्वारा कुछ कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किए जा सकते हैं। व्यवस्था और प्रबंधन की दृष्टि से दो राज्य बने हैं, पर भावनात्मक रूप से हम एक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के साथ आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल को समत्व भवन में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्यों के जनप्रतिनिधि राष्ट्र निर्माण को समर्पित हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए सुझाव और सहयोग का आव्हान करते हुए उन्हें अपने ज्ञान और कौशल का मध्य प्रदेश में भी विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को महाकालेश्वर के साथ-साथ उज्जैन स्थित भगवान श्रीकृष्ण परंपरा, देवी परंपरा के स्थानों एवं त्रिवेणी संग्रहालय के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री साव ने भी संबोधित किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संस्थापक श्री शालिग्राम तोमर के भोपाल में आयोजित स्मृति समारोह में भाग लेने के लिए परिषद के लगभग 70 सदस्यों का दल छत्तीसगढ़ से भोपाल आया हुआ है। दल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनके छात्र जीवन से संबंधित छायाचित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री साव को अंग वस्त्रम, पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया साथ ही सदस्यों को भी अंग वस्त्रम भेंट कर अभिवादन किया। श्री चंद्रहास चंद्राकर, श्री विवेक सक्सेना और श्री प्रदीप मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दमोह में होमगार्ड जवान, बेटे और भतीजे की हत्या

● जवान का तलवार से कत्ल किया; बेटे-भतीजे को बीच सड़क पर गोलियां मारीं

दमोह (एजेंसी)। दमोह में होमगार्ड जवान, उसके बेटे और भतीजे की हत्या कर दी गई। मामला जिले के देहात थाना क्षेत्र के बांसा तारखेड़ा गांव का है। मृतक और तीन आरोपी एक ही परिवार के हैं।

एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि होमगार्ड

जवान रमेश विश्वकर्मा (50) का उसके ही परिवार के लोगों से विवाद चल रहा था। करीब एक महीने पहले भी उनके बीच विवाद हुआ था। आरोपियों ने सोमवार को रमेश पर तलवारों से हमला कर दिया।

घटना के वक्त रमेश का बेटा उमेश (23) और भतीजा विक्की (24) दमोह से बाइक से लौट रहे थे। आरोपियों ने उनको बीच सड़क पर गोली मार दी। दोनों की सड़क पर ही मौत हो गई। चचेरे भाई से फोन पर कहा था- आज हत्या करूंगा

प्रदेश के 32 जिलों में पहुंचा मानसून

● 24 घंटे में अलीराजपुर जिले के सोंडवा में 4.5 इंच बारिश, भोपाल में 1.7 इंच पानी गिरा

भोपाल (एजेंसी)। मानसून 3 दिन के अंदर मध्यप्रदेश में 32 जिलों में पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले 5 दिन में यह पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल संभाग में पहुंचेगा। इस बार सामान्य से 106 प्रतिशत तक बारिश होने का अनुमान है। 25-26 जून को स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होगा। इससे पूरा प्रदेश मानसूनी बौछार से भीग जाएगा।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में इंदौर, रायसेन के भीमबेटका और सांची, भिंड, विदिशा, अनूपपुर के अमरकंटक, डिंडोरी, बालाघाट, पांढुर्णा में आकाशीय बिजली चमकने या गिरने के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

इसी तरह नीमच, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर में हल्की गरज के साथ बारिश हो सकती है। बड़वानी, खरगोन, डिंडोरी, ग्वालियर, मुरैना, दतिया के रतनगढ़, श्योपुरकलां, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, हरदा, उदयगिरि, खंडवा, देवास, सीहोर, सागर, नरसिंहपुर, शहडोल, उमरिया, मंडला और भोपाल में भी दोपहर के बाद मौसम बदला रहेगा। तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है।

संसद सत्र की शुरुआत हंगामे से हुई शुरू

पीएम मोदी ने सांसद पद की शपथ ली

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शपथ लेने पहुंचे तो विपक्ष बोला- नीट...नीट, शेम-शेम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो गया है। सबसे पहले सदन में राष्ट्रगान हुआ, उसके बाद पिछले सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पीएम मोदी ने लोकसभा सदस्य की शपथ ली। मोदी के बाद उनकी कैबिनेट के लोकसभा सांसदों ने शपथ ली। सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। लंच के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई। संसद में इस बार विपक्ष मजबूत है और अपनी मजबूती को उसने मोदी सरकार प आज हंगामेदार सत्र की शुरुआत से जता दिया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम जब शपथ के लिए बुलाया गया तो विपक्ष ने नीट..नीट, शेम-शेम बोलना शुरू कर दिया। विपक्ष नीट पेपर धांधली में उनके इस्तीफे की भी मांग कर चुका है।

जेपी नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता बनाए गए

राज्यसभा में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को पीयूष गोयल की जगह नेता सदन बनाया गया है। नड्डा गुजरात से राज्यसभा के सांसद हैं।

जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा : मुख्यमंत्री

वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने न केवल अकबर की सेना को तीन बार परास्त किया अपितु सुशासन और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी कई नवाचार करते हुए क्षेत्र को जनोन्मुखी शासन व्यवस्था प्रदान की। जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल से होकर गुजरने वाला फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा। गढ़ में रानी दुर्गावती के नाम पर स्टेडियम के लिए भी भारत सरकार से अनुमति दिलाने का प्रयास भी राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। क्षेत्र के तालाबों व जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता से करेंगे। यह उनकी वीरता और पराक्रम को आदरांजलि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अकबर का दौर कठिनकाल था, एक ओर जहाँ महाराणा प्रताप उससे संघर्ष कर रहे थे, वहीं वनांचल में वीरांगना रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना से लोहा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन, उनके पराक्रम और सुशासन के लिए किए गए नवाचारों को देश-दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करने के साथ-साथ इन विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को सामने लाने के लिए 5 लाख रूपए का पुरस्कार भी घोषित किया गया है।

संसद सत्र के पहले दिन पीएम मोदी पर राहुल-खड़गे का हमला, कहा- संविधान पर आक्रमण मंजूर नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन पर कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी पर पलटवार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की। जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम के पास बोलने के लिए कुछ भी नया नहीं था और हमेशा की तरह उन्होंने अपने संबोधन मुद्दों को भटकाने का प्रयास किया है।

राहुल बोले-

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था...हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती...।

नीट मामले में टेरर फंडिंग का शक

● बिहार, रांची में अब तक 25 गिरफ्तार, महाराष्ट्र से भी एक हिरासत में ● दिल्ली में एनएसयूआई का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में टेरर फंडिंग का शक है। महाराष्ट्र में नांदेड़ की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने इस मामले में 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से एक को लातूर से हिरासत में लिया गया है। नीट मामले में अब तक रांची-बिहार से 25 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर एनएसयूआई के सदस्यों ने दोपहर 1 बजे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकरियों ने संसद घेरने के प्रयास में पुलिस बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की।

बिहार-झारखंड के 100 अभ्यर्थियों को नीट यूजी का पेपर मिला था

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध यूनिट (ईओ) ने नीट यूजी पेपर लीक केस की रिपोर्ट केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक

इसमें कहा गया है कि 5 मई को सेंटर पहुंचने से पहले ही बिहार-झारखंड के 100 अभ्यर्थियों को नीट का पेपर मिल गया था। इस लीक को परीक्षा माफिया और साइबर अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया। इसमें एक दिन पहले झारखंड के देवघर से गिरफ्तार चिंटू, मुकेश, पंकु, परमजीत, राजीव कुमार शामिल थे। चिंटू इस लीक कांड के मुख्य सरगना संजीव मुखिया का रिश्तेदार है।

प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति पर विपक्ष का प्रदर्शन

सोनिया समेत विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लहराई, खड़गे बोले- पीएम संविधान तोड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज (24 जून) से शुरू हुआ। विपक्षी सांसदों ने भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने संविधान की कॉपी लहराई और संविधान बचाओ के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि सरकार ने नियमों के खिलाफ जाकर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। नियम के मुताबिक, कांग्रेस के के.सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना था, क्योंकि वे 8 बार के सांसद हैं। महताब तो 7 बार के ही सांसद हैं।

प्रयागराज में बड़ा हादसा, डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट्म के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा सरायममरेज थाना इलाके के रस्तीपुर पेट्रोल पंप के पास हुआ। एक डंपर ने बाइक को रौंद डाला। हादसे में बाइक सवार पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा सोमवार सुबह करीब छह बजे हुआ। हादसे में जान गंवाने वाले सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। जिसमें दो बेटों समेत मां भी शामिल है।

सरायममरेज थाना इलाके के रस्तीपुर पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब छह बजे डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मारी। बाइक पर आठ माह की बच्ची समेत पांच लोग सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी की छिटककर सभी दूर जा गिरे और मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में विकास (25) पुत्र बल्ली, सुम्मरी (60) पत्नी देवकी, जनता (34) पत्नी नमकीन, दीवाना (7) पुत्र नमकीन, लक्ष्मी (8 माह) पुत्री नमकीन की मौत हो गई। यह सभी जौनपुर जनपद के थाना मीरगंज क्षेत्र के चौकी खुर्द इलाके के रहने वाले थे।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

प्रदेश में होगी 42 हजार होम गार्ड की भर्ती

लखनऊ (एजेंसी)। सरकार की ओर से प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के मुहिम के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लेते हुए 42000 होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती के आदेश दिए हैं। उन्होंने जल्द हजारों होमगार्ड्स के सेवानिवृत्त होने के दृष्टिगत जल्द भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने को कहा। साथ ही, होमगार्ड्स को आपदा मित्र के रूप में तैनात करने के लिए नियमावली बनाने का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार को यहां होमगार्ड के विभाग की समीक्षा के दौरान दिए हैं। क़ानून-व्यवस्था और आपदाकाल की स्थिति में होमगार्ड के स्वयंसेवकों की भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में भी उत्तर प्रदेश के होमगार्ड स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इसलिए उन्हें बेहतर सुविधाएं भी मिली चाहिए। सीएम ने फिटनेस के मद्देनजर साप्ताहिक ड्रिल कराने को कहा। वर्तमान में सेवारत होमगार्ड्स को आपदा मित्र का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था शुरू करने का निर्देश दिया।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 25 जून , 2024

सुभल शौचालय के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने जताई आपत्ति, सौंपा ज्ञापन

हटा। नगरपालिका के बालाजी वार्ड अन्तर्गत नाव घाट के समीप लगे नाले की जमीन पर शौचालय निर्माण को लेकर नाव घाट के स्थानीय लोगों द्वारा विरोध कर एसडीएम एवं सीएम्ओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि नगर पालिका परिषद द्वारा जिस स्थल पर शौचालय निर्माण के

लिए प्रस्तावित की जा रही है, उससे सभी लोगों को आपत्ति है, वहां हिन्दू संगठनों के विभिन्न धार्मिक सामाजिक कार्यक्रम होते हैं, यादि शौचालय बनता है तो विभिन्न कार्यक्रम में समस्या होगी साथ ही ज्यादा गंदगी से मच्छर एवं बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। अतः हिन्दूओं की भावनाएं आहत ना हो इसलिए लिए शौचालय को कही ओर स्थानांतरित करने की बात कही, ज्ञापन देने वालों में बिहारी जी सरकार सेवा समिति के अध्यक्ष बब्लू राय, मांझी रैकवार समाज के अध्यक्ष कमल रैकवार, पप्पू रैकवार, सौरभ रैकवार, अनुराग, अंशुल ,रग्गू, राकेश साहित दो दर्जन से अधिक लोगों की उपस्थिति रही है।

इस सम्बन्ध में सी एम् ओ राजेन्द्र खरे का कहना है कि वर्तमान में नगर पालिका परिषद द्वारा दो सुलभ शौचलय बनाए जाने हैं पहला चण्डी जी पर बन गया है दूसरा अंधियारा बगीचा में बनाने पर विचार है , नाव घाट पर अभी सुलभ शौचलय प्रास्तावित नहीं है। हां आगे बैठक में यदि पारित होगा तो देखेंगे।

नीट में पाई सफलता , अब होगा डॉक्टर बनने का सपना साकार

टीकमगढ़। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम लार के स्वर्गीय हुकुम चन्द्र चौधरी की नातिन श्रीमती सुजाता-आशीष चौधरी की बेटी ओश चौधरी ने नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने डॉक्टर बनने का सपना साकार कर गांव एवं समाज नाम रोशन किया है।

गृह ग्राम में आते ही ओश ने देवाधिदेव विघ्नहरण चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान के दिव्य दरबार में आकर श्रीफल समर्पित किया। ओश चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ लार के बड़े बाबा को दिया है। उन्होंने अपने सम्बोधन मे कहा धैर्यवान बनो, जीवन में कुछ भी प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को धैर्यवान होना चाहिए एवं समय का पाबंद होना, जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए समय का सदुपयोग करना बहुत ही जरूरी होता है। इसके बाद स्थानीय समाज द्वारा बिटिया ओश चौधरी सहित श्रीमती सुजाता एवं आशीष चौधरी का श्रीफल शॉल उड़ाकर सम्मान किया गया। सम्मान करने वालों में पंडित कमल कुमार शास्त्री, दिनेश कुमार जैन शिक्षक, पुष्पेंद्र जैन, नरेंद्र जैन जैन सम्मिलित हुये।

सिंग्रामपुर में रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान दिवस पर गरीमामय कार्यक्रम संपन्न

अद्भुत व्यक्तित्व की धनी वीरांगना रानी दुर्गावती जी का शासन काल अपनी प्रजा की भलाई के लिए जाना जाता हैः राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी

सागर दिनकर/दमोह। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा समूचे भारतवर्ष को गौरवांवित करने वाली, अद्भुत व्यक्तित्व की धनी वीरांगना रानी दुर्गावती जी का शासन काल अपनी प्रजा की भलाई के लिए जाना जाता है। 500 वर्ष का इतिहास दुर्गावती के शौर्य एवं साहस का प्रतीक है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने रानी दुर्गावती के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा यह क्षेत्र रानी की संघर्ष स्थली रही है। श्री लोधी आज सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वे बलिदान दिवस पर पुन्यतिथि समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा आज मुख्यमंत्री ने जबलपुर में घोषणा की है कि जबलपुर एयरपोर्ट का नाम रानी दुर्गावती के नाम से किए जाने भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने कहा जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश के सबसे बड़ा फ्लाई ओवर का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर किए जाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की है।

उन्होंने कहा मैं सौभाग्यशाली हूं कि जिस विधानसभा क्षेत्र से मैं विधायक हूं वह रानी दुर्गावती जी का संघर्ष क्षेत्र रहा है। श्री लोधी ने कहा प्रदेश सरकार रानी दुर्गावती जी को निरंतर सम्मान देने का काम कर रही है। रानी दुर्गावती जी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। वीरांगना रानी दुर्गावती जी का पराक्रम, उनका शौर्य किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा हाथों में लिए तलवारे वह वीर की नारी थी, महारानी थी दूर-दूर तक प्रसिद्ध थी वो सबकी जानी पहचानी थी।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा इस क्षेत्र में पिछले साल राज्य शासन द्वारा बड़ा देव मंदिर के लिए एक करोड़ की राशि दी गई है, यहां चौरई में बड़ादेव का दिव्य और भव्य मंदिर

बनने जा रहा है। हमारी सरकार ने आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं और लगातार लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा यहां पर रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय गौरव गान कार्यक्रम रखा गया है, इसमें रानी के जीवन की बातें रखी जा रही हैं। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा आपका स्नेह, आपके आशीर्वाद से आने वाले समय में और अच्छे कार्यक्रम उनकी कर्म भूमि सिंग्रामपुर में आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक श्री जयंत कुमार मलैया ने कहा वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर सिंग्रामपुर में भव्य आयोजन हो रहा है। इसके लिए मैं युवा विधायक और मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी को बहुत-बहुत धन्यवाद और बधाईयां देता हूं। उन्होंने कहा वीरांगना रानी दुर्गावती गोंडवाना साम्राज्य की रानी थी, जिन्होंने जबलपुर में जनहित के काम कराए थे, चाहे वह धर्मशाला बनाने का काम हो और लोगों के साथ ही जानवरों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आधारताल, चेरीताल बनवाए साथ ही और भी ऐतिहासिक निर्माण कार्य कराए थे।

इसी क्रम में हटा विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक ने कहा वास्तव में रानी दुर्गावती साहस पराक्रम की प्रतिमूर्ति थी। उन्होंने मुगलों से लड़ाई लड़ते हुए अंतिम सांस तक अपने राज्य की और अपनी प्रजा की रक्षा की। उन्होंने कहा सभी महिलाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। सिंग्रामपुर पहुंचते ही राज्यमंत्री श्री लोधी वीरांगना रानी दुर्गावती के मूर्ति स्थल पर पहुंचकर माल्यार्पण उपरांत कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम के पूर्व राज्यमंत्री श्री लोधी ने रानी दुर्गावती जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

दी गई प्रस्तुतियां- कार्यक्रम में दमोह द्वारा आशी एडाली नृत्य एवं प्रिया मरकाम का नृत्य, मां रेवा ग्रुप सिंग्रामपुर के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित प्रस्तुति, श्री जानकी बैंड जबलपुर द्वारा लोक गायन, रामचंद्र सिंह, आलेख तिवारी नृत्य नाटिका वीरांगना रानी दुर्गावती जीवन चरित्र पर आधारित प्रस्तुतियां दी गई।

इस अवसर पर पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक जयंत मलैया, विधायक उमादेवी खटीक, कौशल सिंह पोर्ते, अरविंद प्रताप सिंह जू देव, धीरज सिंह, गौरव पटेल, रमन खत्री, रूपेश सेन, भाव सिंह लोधी मासाब, खड़ग सिंग मासाब, बबीता पोर्ते, गोविंद यादव, भारत सिंह, सहारा ठाकुर, जयसिंग कौड़ोप्पा, मंदीप यादव, राजेश सिंघई, रानू नामदेव, मुलायम चंद जैन, नितेन्द्र सिंह, मनोज राय सहित आदिवासी समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन सतेन्द्र सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का आकर्षक एवं मनमोहक संचालन रंगकर्मी राजीव अयाची ने किया।

मप्र के 66 हजार नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा परिणाम के इंतजार के पक्ष में दिग्विजय का सीएम को पत्र

मप्र । एक साल पहले सरकारी नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए परीक्षा ली गई थी। लेकिन उसका परिणाम अभी तक नहीं आया है। इसे लेकर छात्र-छात्राएं राजधानी भोपाल में प्रदर्शन कर चुके हैं। अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह परेशान हो रहे छात्रों के पक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर परीक्षा परिणाम जल्द से जल्द जारी करने का आग्रह किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को अनुरोध करते हुए लिखा कि वे संबंधितों को समुचित निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें, ताकि कॉलेजों में प्रवेश मिल सके और निर्धारित अवधि में छात्राएं अपना कोर्स पूरा कर सकें।

दिग्विजय सिंह ने लिखा कि प्रिय डॉ. मोहन यादव जी, मध्यप्रदेश में हुए नर्सिंग घोटाले की जांच की चपेट में अब दूसरी परीक्षाएं भी आने लगी हैं। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने गत वर्ष जुलाई में सम्पन्न चार वर्षीय नर्सिंग कोर्स की परीक्षा का विगत एक वर्ष से परिणाम घोषित नहीं किया है। परिणाम स्वरूप 60 हजार से अधिक परीक्षार्थी अपने भविष्य को लेकर सशंकित है। वे रिजल्ट घोषित करने की मांग को लेकर मंडल के दफ्तर की और मंत्री बंगले के चक्कर लगा रही है।

18 नर्सिंग कॉलेजों में 1050 पद रह गए खाली

दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि इसमें डीएमएस से सम्बद्ध 18 नर्सिंग कॉलेजों में 1050 पद खाली रह गये और नर्सिंग का कोई भी कोर्स संचालित नहीं हो सके। इसी प्रकार डीएमई से सम्बद्ध 06 मेडिकल कॉलेजों में भी 810 पदों पर नर्सिंग का कोर्स करने के लिये प्रवेश नहीं हो सका। वैसे तो जो ये वर्ष 2022-23 का सत्र था, जो विलंब करके 2023 में किया गया। जुलाई 2023 में परीक्षा के बाद एक साल बाद 2024 में अभी तक परिणाम नहीं घोषित किया गया है। परिणाम नहीं आने से 66,000 अभ्यर्थी नियमित डीएमई और डीएचएस के चक्कर लगा रहे हैं। परन्तु उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। इनका भविष्य धूमिल हो रहा है। ये अभ्यार्थी विगत तीन वर्ष से लालफीताशाही का शिकार बन रहे हैं।

शासन द्वारा संचालित 24 नर्सिंग कॉलेजों को नहीं मिली मान्यता

दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा कि नर्सिंग काउंसिल ने शासन द्वारा संचालित 24 नर्सिंग कॉलेजों के लिए मान्यता नहीं दी। नर्सिंग घोटाला निजी कॉलेजों के मान्यता के संबंध में हुआ था। लेकिन इसकी गाज शासन के कॉलेजों पर भी पड़ गई। मप्र में चल रही नए पुराने 666 कॉलेजों में भारी अनियमितता पाये जाने के बाद उच्च न्यायालय से सीबीआई की जांच चल रही है। इन जांचों के चलते शासन द्वारा संचालित नर्सिंग कॉलेज को शून्य वर्ष घोषित किया गया है। इस तरह के निर्णय से एक तरफ तो नर्सिंग कोर्स का संचालन रूक गया, वहीं हजारों बच्चों को अपने भविष्य की चिंता सता रही है।

66000 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी यह परीक्षा

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने लिखा है कि नर्सिंग छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया है कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा शासकीय नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश के लिये सत्र वर्ष 2022-23 हेतु प्रवेश परीक्षा में विलंब करते हुए ये परीक्षा जुलाई 2023 में आयोजित कराई गई थी। परंतु परीक्षा परिणाम आज दिनांक तक जारी नही किए गए हैं। सत्र वर्ष 2022-23 के कुल 1860 पदों में से 810 पद संचालक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) और 1050 पद संचालक स्वास्थ्य सेवाएं (डीएचएस) के लिए भर्ती कराई गई थी। इसमें 66,000 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें अनारक्षित वर्ग से 400 रुपये एवं आरक्षित वर्ग से 200 रुपये शुल्क लिया गया था। इस प्रकार कर्मचारी चयन मंडल को करोड़ों रुपये राशि भर्ती परीक्षा के शुल्क के रूप में प्राप्त हुई और जुलाई 2023 में इसकी परीक्षा कराई गई। विगत एक वर्ष से अभ्यार्थी इंतजार कर रहे हैं। कर्मचारी चयन मंडल इसके परिणाम घोषित नहीं कर रहा है।

भगवान के जन्म उपरांत निकाली गई भव्य शोभायात्रा

जतारा। अतिशय क्षेत्र आदिश्वर धाम जतारा के शांति विद्या नगर में चल रहे भव्य पंचकल्याणक महा महोत्सव के तीसरे दिन भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव संपन्न किया गया। अयोध्यापुरी में भगवान के जन्म कल्याणक की क्रियाएं संपन्न की गयीं। प्रातः काल सर्वप्रथम इंद्र द्वारा प्रतिष्ठा मंडल की तीन परिक्रमा दी गई, जन्म के संस्कार होते ही प्रभु तीर्थंकर के जन्म की घोषणा हुई सारा नगर जय जय कारों से गूंज उठा। भगवान का जन्म होते ही, स्वर्ग लोक में सोधर्म इंद्र का सिंहासन कंपायमान मान हुआ, सोधर्म इंद्र को अपने अवधि ज्ञान से पता चला कि अयोध्या नगरी में तीर्थंकर बालक का जन्म हो चुका है ।सोधर्म इंद्र, अपने दल-वल सहित ऐरावत हाथी पर सवार होकर अयोध्यापुरी पहुंचता है। शची इंद्राणी द्वारा बालक को गर्भ ग्रह से लाया गया और अपने स्वामी सौधर्म इंद्र को सोपा गया, सोधर्म इंद्र तीर्थंकर बालक को अपने ऐरावत हाथी पर सवार करके भगवान के जन्माभिषेक के लिए विशाल जुलूस के साथ पांडुक शिला की ओर चल देता है। विशाल जुलूस विद्या शांति नगर से प्रारंभ होकर संपूर्ण नगर में भ्रमण करता हुआ रेस्ट हाउस रोड पर निर्मित पांडुक शिला स्थल पर पहुंचा जहां तीर्थंकर बालक का इंद्रों 1008 कलशों से जलाभिषेक संपन्न किया गया। भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अशोक कुमार जैन ने बताया कि भव्य जुलूस में ललितपुर से श्री विद्यासागर वीर व्यायाम शाला के युवा अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए चल रही थे, शोभायात्रा में मुंगावली, जतारा, उदयपुर के दिव्य घोष सहित हाथी, घोड़े, गाजे बाजे, डीजे,इन्द्र इंद्राणिया सहित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के सभी प्रमुख महापात्र शामिल रहे। जुलूस के वापस पंचकल्याणक स्थल पर पहुंचते ही मंच पर सौरभ जैन एंड टीम दिल्ली द्वारा एक लघु नाटिका लव मैरिज के दुष्परिणाम अपने मंचन के माध्यम से पेश किया गया ।शोभायात्रा में जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र जैन टानगा, पंचकल्याणक समिति अध्यक्ष विजय सगरवारा, पवन मोदी, प्रकाश रोशन, प्रदीप रानीपुर, मुकेश जैन बड़े, हिरदेश कोठादार, राजीव मोदी, मिक्की व्या, मोनू माते, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दो बच्चों की मां को भगाकर ले जाने वाला आरोपी को पकड़ा

हटा। हटा थानांतर्गत दो बच्चों की मां को धमकाकर भगा ले जाने और शारीरिक संबंध बनाने की शिकायत पर महिला पुलिस थाना दमोह द्वारा लुहारी निवासी नवाब खान के विरुद्ध 365, 376, 376 एवं 506 आईपीसी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। विहिप के संगठन पदाधिकारी बबलू राय ने बताया कि संगठन के पास शिकायत मिली-कि लुहारी निवासी नवाब खान एक महिला को परेशान कर रहा है उसे धमका रहा है जबरन धर्म परिवर्तन को मजबूर कर रहा है। महिला को धमकाकर भगा ले गया है। तीन दिन पहले महिला उसके चंगुल से छूटकर घर आई तो नवाब फिर धमकाने पहुंच गया। जिसकी सूचना विहिप बजरंगदल कार्यकर्ताओं को मिली तो महिला के साथ हटा पुलिस थाना पहुंचे जहां महिला पुलिस अधिकारी न होने से महिला पुलिस थाना मैं शून्य पर कायमी हुई फिर देहात पुलिस थाना में महिला की गुम इंसान दर्ज होने के कारण देहात पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

तेजगढ़ और मोहड़ पहुंचकर कलेक्टर श्री कोचर ने ग्रामीणों से हुये रू-ब-रू

अधिकारियों को दिये गये समुचित दिशा-निर्देश, गांव की प्राचीन धरोहरों को भी देखा

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज जिले के तेजगढ़ और मोहड़ ग्राम पहुंचे ग्रामीणों से की चर्चा उनकी बातें की, उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उन्होंने प्राचीन बावड़ी, किले की दीवार, पुरातात्विक महत्व के मढ़े का अवलोकन किया और इनकी साफ-सफाई एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर तेजगढ़ के माली मोहल्ला पहुंचें और प्राचीन बावड़ी की सफाई के निर्देश दिए। यहां ग्रामीणों ने सड़क और पानी की समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर श्री कोचर ने समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर श्री कोचर ने तेजगढ़ के प्राचीन हाथी द्वार का अवलोकन किया और गणेश मंदिर पहुंचकर दर्शन किये। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर ने प्राचीन किले की दीवार और नीचे जाती हुई सीढ़ियों को देखा साथ ही ग्रामीणों से इसके सौंदर्यीकरण के सुझाव मांगे। तेजगढ़ के ग्रामीणों ने अस्पताल और स्कूल से संबंधित समस्याओं से भी अवगत किया, जिसे कलेक्टर ने ध्यान से सुना और आवश्यक कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसके उपरांत कलेक्टर श्री कोचर ग्राम मोहड़ पहुंचे जहां उन्होंने ऐतिहासिक महत्व की धरोहर प्राचीन मढ़े के भग्नावशेष, नक्काशी और कलाकृतियां देखी और इसके बनावट की प्रशंसा की, साथ ही कहा कि इसके संरक्षण के प्रयास किये जायेंगे। मोहड़ ग्राम में भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना और इनके निदान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। स्थानीय मंदिर में दर्शन कर ग्रामीणों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की और कहा कि जो भी समस्याएं है, उन्हें अधिकारियों को बताएं जिसके समाधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सर्वांगीण विकास का प्रदेश बनेगाः राज्यमंत्री

राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सिंग्रामपुर में उप-स्वास्थ्य केन्द्र भवन किया लोकार्पित

सागर दिनकर/दमोह। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा बहुत बेहतरीन उप स्वास्थ्य केंद्र आपके यहां बनकर तैयार हुआ है। स्वास्थ्य केंद्र में तमाम सुविधा उपलब्ध करा दी जाए, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा वास्तव में यह स्वास्थ्य केंद्र सिंग्रामपुर की धरती पर बहुत जरूरी था, उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए सभी को बहुत-बहुत बधाई। ऐसे एक नहीं 6 उप स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत करवाए गये थे और दो बड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एक चोपरा और एक तारादेही जो की तीन-तीन करोड़ की लागत से बन रहे हैं, उन्हें भी स्वीकृत करने का काम किया है। राज्यमंत्री ने कहा इस सत्र में 13 और उप स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत कराए हैं जबेरा और तेंदूखेड़ा दोनों ब्लॉकों को मिलाकर। उन्होंने कहा इस क्षेत्र में विकास की गंगा बहेगी। 13 उप स्वास्थ्य केंद्र और स्वीकृत हो गए हैं 63-63 लाख रुपए की लागत से, जो आगे बनकर तैयार होंगे। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में यह

प्रदेश सर्वांगीण विकास का प्रदेश बनेगा इसके लिए हम सभी संकल्पित हैं।

इस अवसर पर रूपेश सेन, मनदीप यादव, सत्येंद्र सिंह, अजय राय, राजेश सिंह, अजय सोनकर, सहारा ठाकुर, दीपक यादव, सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स बैक, सीबीएमओ डॉक्टर डी.के. राय सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी और आस-पास के गांव के लोग मौजूद रहे।

निगम में एक और घोटाला -सिर्फ कागज पर बांट रहे पानी शहर में 100 से ज्यादा फर्जी टैंकर

निगम का दावा शहर में पानी वितरण में 400 के लगभग टैंकर लगे हैं।

इंदौर। इंदौर नगर निगम में एक और बड़ा घोटाला उजगार हुआ है। फर्जी टैंकर के जरिए सिर्फ कागजों पर पानी बांटने का खेल वर्षों से चल रहा है। इस तरह अब तक करोड़ों रुपये की हेराफेरी की आशंका है। इंदौर शहर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने वाले नगर निगम में अब टैंकर घोटाला सामने आया है। जो टैंकर शहर में पानी सप्लाई के काम में नहीं लगे, उन्हें भी भुगतान किया जा रहा है।

टैंकर के जीपीएस सिस्टम की मॉनिटरिंग में भी खामियां

खास बात यह कि फर्जी टैंकरों से पानी बांटने के मामले में नगर निगम का जीपीएस सिस्टम भी पूरी तरह से फेल हो गया। फर्जीवाड़े में लगे ज्यादातर टैंकर कागज पर वर्षों से एक ही स्थान से पानी भरते और एक ही स्थान पर वितरण करते रहे और जिम्मेदारों को इसकी भनक तक नहीं लगी। कागजों पर भले ही नगर निगम दावा करे कि शहर में पानी वितरण में 400 के लगभग टैंकर लगे हैं परन्तु शहर की सड़कों पर इतने टैंकर नजर नहीं आते है।

एक जुलाई से PU C प्रमाण पत्र अनिवार्य

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा PUC संचालकों की बैठक कर दिये दिशा-निर्देश

इंदौर। मध्यप्रदेश में सभी प्रकार के वाहनों हेतु एक जुलाई 2024 से PUC प्रमाण पत्र अनिवार्य रहेगा। यह प्रमाण-पत्र वाहन के धुआँ नियंत्रण हेतु PUCसेन्टरों द्वारा जारी किया जाता हैं। इस संबंध में आज क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा शहर के समस्त PUC संचालकों की बैठक कर संचालकों से ऑनलाइन प्रमाण पत्र 1 जुलाई से अनिवार्य रूप जारी करने के दिशा-निर्देश देते हुए उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

श्री शर्मा द्वारा बताया कि 1 जुलाई से सभी सेन्टर ऑनलाइन ही प्रमाण पत्र जारी करेंगे। इस तिथि के पश्चात यदि ऑफ लाइन प्रमाण पत्र सेन्टरों द्वारा जारी किया जाता है, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करते हुए सेंटर बंद करने की कार्यवाही भी की जा सकती है।

नियमित रूप से फायर सेफ्टी जांच हो - कलेक्टर आशीष सिंह

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने फायर सेफ्टी हेतु संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नगर निगम एवं जिला प्रशासन के संबंधित विभाग प्रमुख को नियमित जांच करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय अस्पतालों का निरीक्षण करते हुए इलेक्ट्रिक सेफ्टी ऑडिट करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने उक्त कार्य को नियमित रूप से किये जाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर सिंह ने पौधारोपण अभियान की विभागवार तैयारियों की समीक्षा की

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समस्त विभागीय अधिकारियों की बैठक में जिले में 51 लाख पौधों के रोपण हेतु की जा रही तैयारियों और पौधों की उपलब्धता आदि की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इंदौर में विभिन्न मिल क्षेत्र में जहां पूर्व से बड़ी संख्या पेड़ लगे है ऐसे स्थलों का चिन्हांकन करते हुए वहां और पौधों के रोपण हेतु प्लानिंग की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में ग्रीन बेल्ट की भूमि पर व्यापक पौधारोपण किया जाए। इसके लिए मास्टर प्लान के नजरी नक्शा तैयार कर विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत की जाए। उन्होंने विभागवार पौधारोपण के लक्ष्यों, गड्ढे तैयार करने एवं पौधों की उपलब्धता संबंधित प्रगति की समीक्षा की। प्रतिदिन की प्रगति गूगल शीट पर अपडेट करने के निर्देश भी दिए।

इंदौर के चिड़ियाघर में पहली बार हुआ अफ्रीकन जेब्रा का जन्म, 3 साल की कोशिश के बाद मिला था जोड़ा

इंदौर। शहर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय अथवा इंदौर के चिड़ियाघर में पहली बार अफ्रीकन जेब्रा का जन्म हुआ है। चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार जेब्रा और मां दोनों स्वस्थ हैं। इंदौर चिड़ियाघर प्रबंधन के अधिकारियों का दावा है कि मध्य प्रदेश में पहली मर्तबा किसी अफ्रीकन जेब्रा का जन्म हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि इंदौर के प्राणी संग्रहालय में अब जेब्रा की संख्या तीन हो गई है। मध्य प्रदेश में केवल इंदौर के चिड़ियाघर में ही जेब्रा है। रातभर के प्रयास के बाद नन्हा जेब्रा सुबह अपने पांव पर खड़ा हो गया है। चिड़ियाघर प्रबंधन के मुताबिक मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। दर्शक जल्द ही नन्हें जेब्रा की उछलकूद देख सकेंगे। जामनगर चिड़ियाघर को जेब्रा के बदले टाइगर दिया गया था। शहर के 52 एकड़ में फैले चिड़ियाघर में 1300 वन्य प्राणी हैं। यहां लोग पक्षी विहार में देशविदेश के रंगबिरंगे पक्षी के साथ स्नैक्स हाउस में एनाकोंडा, सफेद अजगर सहित कई सांप देख सकते हैं। बिल्ली प्रजाति में शेर, बाघ, तेंदुआ आदि खासी संख्या में हैं।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करें - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पड़ौसी राज्य छत्तीसगढ़ की भौगोलिक सीमा के साथ-साथ दोनों राज्यों की साझा सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत है। दोनों राज्यों की सरकारों द्वारा कुछ कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किए जा सकते हैं। व्यवस्था और प्रबंधन की दृष्टि से दो राज्य बने हैं, पर भावनात्मक रूप से हम एक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के साथ आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल को समत्व भवन में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्यों के जनप्रतिनिधि राष्ट्र निर्माण को समर्पित हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए सुझाव और सहयोग का आव्हान करते हुए उन्हें अपने ज्ञान और कौशल का मध्य प्रदेश में भी विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को महाकालेश्वर के साथ-साथ उज्जैन स्थित भगवान श्रीकृष्ण परंपरा, देवी परंपरा के स्थानों एवं त्रिवेणी संग्रहालय के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री साव ने भी संबोधित किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संस्थापक श्री शालिग्राम तोमर के भोपाल में आयोजित स्मृति समारोह में भाग लेने के लिए परिषद के लगभग 70 सदस्यों का दल छत्तीसगढ़ से भोपाल आया हुआ है। दल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनके छात्र जीवन से संबंधित छायाचित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री श्री साव को अंग वस्त्रम, पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया साथ ही सदस्यों को भी अंग वस्त्रम भेंट कर अभिवादन किया। श्री चंद्रहास चंद्राकर, श्री विवेक सक्सेना और श्री प्रदीप मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित थे।

युवती ने पापा को किया आई एम सॉरी का मैसेज, फिर बीसीएम हाइट्स की आठवीं मंजिल से कूद कर दे दी जान

इंदौर। इंदौर में बीसीएम हाइट्स बिल्डिंग की आठवीं मंजिल से एक युवती ने कूदकर जान दे दी। युवती टीसीएस कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर थी। आत्महत्या करने से पहले युवती ने अपने पापा के मोबाइल पर आई एम सॉरी का मैसेज किया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। युवती ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस इसकी जांच में लगी है, युवती का मोबाइल भी पुलिस से जब्त कर लिया है। घटना सोमवार दोपहर की है, आत्महत्या करने वाली युवती का नाम सुरभि जैन है। वह बीसीएम हाइट्स में नहीं रहती है। संभवत- वह वहां किसी से मिलने आई थी। उसके बाद उनसे आत्महत्या कर ली। युवती के बिल्डिंग से गिरने की जानकारी मिलने

के बाद पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। काफी देर बाद पता चला कि वह एक आईटी कंपनी में जॉब करती है और उसका नाम सुरभि है। अफसरों ने उसके पिता अशोक कुमार जैन को सूचना दी तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सुरभि उनकी इकलौती बेटी थी और वह डिप्रेशन में थी तथा उसका इलाज भी चल रहा था। वह अनूप नगर में रहती है और सुबह घर से दफ्तर जाने के लिए निकली थी। उसकी कार भी पार्किंग में मिली है। बीसीएम हाइट्स के रहवासी डॉ. मुकेश तिवारी का कहना है कि ब्लॉक में इंटरकॉम सुविधा नहीं है। यदि युवती की एंट्री गेट पर सुरक्षाकर्मी द्वारा जानकारी ली जाती तो हो सकता है कि यह घटना टल जाती।

भाजपा नेता मोनू कल्याणे के हत्यारों को पुलिस ने मंडीदीप से किया गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर चिमनबाग में भाजपा नेता मोनू कल्याणे की रविवार को हत्या के बाद आरोपी अर्जुन पथरोड़ और पीयूष पथरोड़ ने छुपने के लिए अपने एक रिश्तेदार का घर चुना। जिस बाइक पर सवार होकर वे मोनू पर फायर करने आए थे, उसी बाइक पर वे मंडीदीप जा पहुंचे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या की वजह पुरानी रंजिश बता रही है।

हालांकि एक भाजपा नेता पर भी पुलिस को आशंका है, लेकिन अभी पुलिस ने कुछ स्पष्ट नहीं किया है। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। उनके हाथ पैर में चोट भी आई है। पुलिस का कहना है कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी भाग रहे थे और गिरने से उन्हें चोट आई है।पुलिस ने उनकी मोबाइल लोकेशन के आधार पर पता लगा लिया और सुबह मंडीदीप पहुंच कर उन्हें गिरफ्तार भी

कर लिया। सोमवार दोपहर दोनो को पुलिस इंदौर लाई। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी जब्त कर ली है। पुलिस आरोपियों से यह भी पता लगा रही है कि उन्हें यह पिस्टल कहां से मिली।

मोनू की रविवार को हत्या हो गई। उस दिन वह भगवा वाहन रैली निकालने वाला था। हत्या के लिए इस दिन को आरोपियों ने क्यों चुना। इस एंगल से भी अफसर कारणों का पता लगा रहे है। बताया जा रहा है कि मोनू के राजनीति में बढ़ते दखल के कारण कुछ लोग उससे ईर्ष्या करने लगे थे। राजनीतिक रंजिश भी हत्या की एक वजह पुलिस मान रही है। आरोपियों के संबंध किन नेता गणों से है। इसकी भी पड़ताल पुलिस कर रही है।

खानपान का शौक इंदौर शहर के लोगों को बना रहा डायबिटीज का शिकार

इंदौर। इंदौर शहर खानपान का शौकीन है, लेकिन यही शौक अब बीमारी की बड़ी वजह बन रहा है। इंदौर में डायबिटीज के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में यहां डायबिटीज के मरीजों का ग्राफ 25 से 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मध्य प्रदेश की यह आर्थिक राजधानी अब यहां की डायबिटीज कैपिटल भी बनती जा रही है। डायबिटीज का प्रभाव केवल आंख, किडनी, दिल पर ही नहीं दिखता, बल्कि पैरों पर भी नजर आता है। अन्य समस्याओं का पता तो डायबिटीज के मरीज को चल जाता है, लेकिन पैरों में यदि चोट भी लगती है तो देर से पता चलता है और नतीजतन पैर में घाव हो जाते हैं। कई बार तो समस्या इतनी बढ़ जाती है कि पैर तक काटना पड़ता है। यह बात शहर में रविवार को इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रस्तरीय कांफ्रेंस में डाक्टरों ने कही। इसमें देशभर के करीब 400 विशेषज्ञ शामिल हुए। इसमें डाइबेटोलाजिस्ट, जनरल फिजिशियन, प्लास्टिक सर्जन, इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, आर्थोडिक्स आदि ने अनुभव साझा किए। डायबिटीज के रोकथाम और उसके उपचार के प्रति लोगों व चिकित्सकों को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन द्वारा देशभर में कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में शहर में हुई कांफ्रेंस में भी विशेषज्ञों ने भाग लिया। दिल्ली से आए इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एपीएस सूरी ने कहा कि डायबीटिक मरीजों के पैरों में अक्सर चोट या अन्य कारण से घाव हो जाते हैं। भारत में एक साल में दो लाख लोगों के पैर काटे जाते हैं।

इंदौर में मानसून ने दी दस्तक, चार से पांच दिन रुक-रुककर होगी बारिश, फिर झमाझम

इंदौर। इंदौर शहर में मानसून ने दस्तक दे दी है। अभी तक शहर में मानसून 20 जून तक आ जाता था, लेकिन इस बार यह तीन दिन देरी से पहुंचा। पिछले दो-तीन दिनों से इंदौर में रुक-रुककर बारिश का

सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को इंदौर, उज्जैन, देवास सहित 26 जिलों में मानसून आने की घोषणा की है। पिछले साल इंदौर में 25 जून का मानसून का आगमन हुआ था। अगले चार से पांच दिन इंदौर में रुक-रुककर बारिश होगी। इसके बाद तेज बारिश होने के आसार है।इंदौर में जून माह में अब तक 56.6 मिमी बारिश हो चुकी है, जो जून माह की औसत बारिश की तुलना में 38 फीसद ही है। ऐसे में अगले एक सप्ताह में जून माह की बारिश का कोटा पूरा होने की संभावना है। रविवार सुबह शहर में धूप खिली। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान साामान्य से एक डिग्री अधिक 24.7 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर शहर में अगले पांच दिनों में अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। रुक-रुककर हो रही बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। अब शहवासियों को झमाझम मानसूनी बारिश का इंतजार है।

ज्वेलरी से भरा पर्स लूटने वाला पकड़ाया

पुलिस उस तक पहुंची इससे पहले ही दिल्ली भाग गया, ऐसे पकड़ाया

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ में 10 जून को एक महिला कीर्ति अग्रवाल (56) से लूट के आरोपी मोहित को पकड़ लिया है। अब पुलिस आभूषण की बरामदगी में लगी है। कीर्ति अग्रवाल ने बताया था कि वह सपना संगीता रोड स्थित विक्रम टॉवर के कंचन ज्वेलर्स से ज्वेलरी का तोल करवाकर पैदल न्यू अग्रवाल नगर जा रही

थी।उसके पर्स में सोने का हार, सोने की दो अंगूठी, एक सोने के कान के बाले रखे हुए थे। इस बीच मोहित ने पर्स लूट लिया। कीर्ति ने दो दिन बाद लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर मोहित की पहचान की और उस होटल तक पहुंच गई जहां मोहित रुका हुआ था। यहां पुलिस को पता चला कि मोहित दिल्ली भाग गया है। रविवार को जैसे ही मोहित इंदौर पहुंचा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ लिया। आरोपी मोहित कई शहरों में चोरी व लूट की वारदातें कर चुका है।

भोपाल जेल से छूटते ही करने लगे वारदातें, क्राइम ब्रांच ने पकड़ा- क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम ने सन्नी पुत्र स्व. अनिल रायकवार निवासी मांगलिया और उसके साथी दुर्गेश पुत्र स्व. मुकेश तंवर निवासी समाजवाद नगर को पकड़ा है। सन्नी दो साल से भोपाल के शाहपुरा में हत्या के प्रयास एवं नकबजनी के मामले में बंद था।

इंदौर के व्यापारियों ने निर्मला सीतारमण को याद दिलाया सरकार का वादा, बोले- मंडी टैक्स कब खत्म होगा

इंदौर। वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय बजट 2024-25 को जल्द लागू किया जाएगा। इससे पहले सरकार ने आमंत्रित सुझावों एवं प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के लिए मीटिंग आयोजित की। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी अध्यक्षता की। दिल्ली में हुई इस मीटिंग में इंदौर के व्यापारियों ने निर्मला सीतारमण को दाल मिलों से जुड़ी परेशानियों अवगत करवाया और व्यापारियों की मांगे पूरी करने का अनुरोध किया। ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन की ओर से संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल और संस्था के वरिष्ठ सदस्य रूपेश राठी

(अकोला) भी इसमें सम्मिलित हुए। देश के 14 व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इंदौर दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि जीएसटी लागू करते वक्त सरकार ने एक देश एक टैक्स का कहा था, जीएसटी प्रारंभ होने के बाद स्पष्ट था कि मंडी शुल्क व अन्य टैक्स समाप्त कर दिए जाएंगे, किन्तु आज भी देश के अनेक राज्यों में मंडी शुल्क अलग-अलग दर से वसूला जा रहा है। अतः अनुरोध है की मंडी शुल्क की दरे सम्पूर्ण देश में एक समान 0.50 पैसा प्रति सैकड़ा किया जाना चाहिए। दाल इंडस्ट्रीज दालों को क्लीन करने के लिए विदेशों से जो कलर सॉरटेक्स मशीन खरीदती हैं, जिसका उपयोग आम उपभोक्ताओं को बेस्ट क्वालिटी की दालें उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। उन आयात होने वाली कलर सॉरटेक्स मशीनों पर भी इम्पोर्ट ड्यूटी समाप्त करने का अनुरोध हमने किया है।

सुरेश अग्रवाल ने बताया कि हमने मप्र में लग रही अधिक मंडी शुल्क के विषय में भी वित्त मंत्री को जानकारी दी।

इंदौर में तेरापंथ युवक परिषद का शपथ समारोह

इंदौर। तेरापंथ भवन पलासिया में आचार्य महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी रचना श्रीजी ठाणा 4 के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद का शपथ समारोह हुआ। इसमें तेरापंथ युवक परिषद इंदौर के मनोनीत अध्यक्ष अर्पित जैन को निवर्तमान अध्यक्ष जयदीप निंमजा ने शपथ दिलाई। इसके बाद अध्यक्ष अर्पित जैन ने अपनी टीम की घोषणा की और मंत्री आनन्द लोढ़ा के साथ ही कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इसके साथ ही सभी पदाधिकारियों ने अपना दायित्व संभाल लिया। सर्वप्रथम मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद विजय गीत का सामूहिक गान किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तरीन मेहता ने किया।

संपादकीय

फिर भटकता कनाडा...

कनाडा में बढ़ते भारत विरोधी अलगाववाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत सरकार ने उचित ही कनाडा सरकार से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। फिर एक बार खून-खराबे को लालायित चंद खालिस्तानी चरमपंथियों ने तथाकथित नागरिक अदालत आयोजित की है और वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रधानमंत्री का पुतला जलाया है, तो कतई हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता। भारत ने कनाडाई उच्चायोग को बाकायदे एक राजनयिक नोट जारी करते हुए अलगाववादी तत्वों की ताजा हरकतों पर अपनी गंभीर आपत्ति जताई है। कनाडा में भारत विरोध को जिस तरह से भड़काने की लगातार साजिशें हो रही हैं, उसमें कहीं न कहीं उस देश की मुख्यधारा की राजनीति का हल्कापन जिम्मेदार है, तभी तो घोषित आतंकी निज्जर को वहां की संसद में मौन श्रद्धांजलि दी गई है। यह वही निज्जर है, जिस पर भारत में हत्या का आरोप था, जो मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल था। उसकी मौत पर कनाडा में आंसू बहाने वालों की जमात निरंतर उग्र होती जा रही है, तो भारत सरकार को कुछ ज्यादा ही सचेत रहना चाहिए। अब यह बात कतई छिपी नहीं है कि जस्टिन ट्रूडो की सरकार अलगाववादियों को खूनी खिलवाड़ का मौका दे रही है। लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अलगाववाद के प्रति नरमी खुद कनाडा के समाज पर भारी पड़ेगी। अलगाववाद का समर्थक पाकिस्तान आज किस मुकाम पर है, यह हर कोई देख रहा है। बेशक, दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा कनाडा सरकार द्वारा अपनी धरती पर सक्रिय हिंसक तत्वों को छूट देने का है। दरअसल, कनाडा अपने ही इतिहास को भूल गया है। साल 1985 में 25 जून को मॉंट्रियल से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कनाडाई सिख आतंकियों ने बम विस्फोट से उड़ा दिया था। जमीन से 31,000 फीट ऊपर बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश व 24 भारतीय मारे गए थे। यह बमबारी आज भी विमानन आतंकवाद के सबसे दर्दनाक दुष्कृत्यों में से एक है। फिर 23 जून दहलीज पर है, पीड़ित परिजन अपनों की शहादत को हर साल की तरह इस बार भी याद करना चाहते हैं, लेकिन अलगाववादियों को यह चुभ रहा है। विडंबना देखिए, निज्जर को तो संसद में श्रद्धांजलि दी गई, मगर आतंकी हमले के शिकार बेगुनाहों को बाहर कहीं श्रद्धांजलि देने पर आपत्ति हो रही है? ऐसे में, भारत सरकार ने आधिकारिक निंदा का सहारा लेकर दोटूक संदेश दिया है, जो कनाड के कर्णधारों तक जरूर पहुंचना चाहिए। यह भी गौर करने की बात है कि कनाडा में ही अच्छी नसीहत देने वाले कम नहीं हैं। भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने साफ शब्दों में कहा है कि आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा अब भी उनके देश में कुछ लोगों के बीच जीवित है। कनाडाई संसद में बोलते हुए आर्य ने उचित ही कहा कि खालिस्तान समर्थकों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाना यह दर्शाता है कि स्याह ताकतें फिर सक्रिय हो गई हैं। वहां हिंदुओं और उनके आयोजनों को निशाना बनाया जाने लगा है। कनाडा 1980 के दशक में ऐसी ही आग से गुजर चुका है, वहां की सरकार ने जब आतंकवाद का दर्द झेलने के बाद कड़ी कार्रवाई की थी, तब अलगाववादी आग काबू में आई थी, आज फिर वैसी ही जरूरत आन पड़ी है।

सिंगापुर को बैकफुट पर ला रही मनी लॉन्ड्रिंग

शुली रेन

एक निजी धन प्रबंधन तेजी से ध्रुवीकृत दुनिया में तटस्थ और विवेकशील रहता है। स्विट्जरलैंड में यूक्रेन में युद्ध को लेकर 2022 में रशिया के खिलाफ यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को अपनाने का फैसला करने के बाद ज्यूरिख में प्राइवेट बैंकों ने अपनी कुछ चमक खो दी। सिंगापुर, जो लंबे समय से दुनिया के सुपर अमीरों के लिए स्वर्ग रहा है, अब इसका पता लगने वाला है। सिंगापुर में हाल ही में 2.2 बिलियन डॉलर का मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला द्वीप देश को बैकफुट पर ला रहा है। यह सरकार को यह पूछने के लिए मजबूर कर रहा है कि क्या नए धन की तीव्र आमद को संभालना बहुत कठिन है? चीनी कंपनियां अमरीका-चीन भू-राजनीतिक तनाव से बचने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की ओर जा रही हैं। कुछ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 'सांझा समृद्धि अभियान' से भी दूर भाग रहे हैं। 2019 के बीच, जब यह प्रवृत्ति बढने लगी और 2022 से, प्रत्यक्ष निवेश चीन की वृद्धि दर एक तिहाई से अधिक रही। फास्ट-फैशन ई-कॉमर्स यूनिकॉर्न शीन ग्रुप लिमिटेड जिसका लक्ष्य 60 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्यांकन पर प्रकाशन करना है, का मुख्यालय अब सिंगापुर में है। हिलहाऊस इन्वैस्टमैंट भी ऐसा ही है, जो चीन के कुछ सबसे बड़े तकनीकी स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए जाना जाता है। यह प्रवृत्ति अब तक सिंगापुर, विशेषकर इसके बैंकों के लिए वरदान रही है। अकेले 2022 में सिंगापुर ने 435 बिलियन डॉलर का नया धन आकर्षित किया जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) का लगभग 70 प्रतिशत था। उदाहरण के लिए डी.बी.एस. ग्रुप होल्डिंग्स लिमिटेड की निजी बैंकिंग फ्रैंचाइजी फल-फूल रही है। पहली तिमाही में, इसकी शुल्क आय साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 1 बिलियन (सिंगापुर डालर) तक पहुंच गई, जिससे धन प्रबंधन शुल्क में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले साल की तुलना में इसके शेयरों में एक तिहाई की बढ़ौतरी हुई है और इसने हांगकांग में सूचीबद्ध एच.एस.बी.सी. होल्डिंग्स को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, बैंकिंग में जो एक जोखिम शामिल है, वह है प्रतिष्ठा। आई.एम.डी.बी. घोटाले के विपरीत, जो गोल्डमैन सॉक्स ग्रुप को मुसीबत में डाल दिया, इस बार, पूरे सिंगापुर ब्रांड-इसके निजी बैंकिंग उद्योग के साथ-साथ मनी-लॉन्ड्रिंग नियमों का भी मूल्यांकन किया जा रहा है। आखिरकार, सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि बैंकों का एक पूरा समूह हालिया मामले में फंस गया। मूल रूप से चीन के एक समूह ने एक से अधिक माध्यमों से ऑनलाइन जुए से अरबों डॉलर कमाए।ऐसा लगता है कि सिंगापुर नियामकीय कार्रवाई के लिए तैयार है। अपनी छवि दांव पर लगाते हुए सिंगापुर ने पारिवारिक कार्यालयों की जांच को निजी संपत्ति का एक व्यापक, अपारदर्शी, अनियमित उपसमूह बना दिया है। यह बैंकों को अवैध प्रवाह के जोखिम से बचने के लिए उचित परिश्रम बढ़ाने के लिए भी प्रेरित कर रहा है। सिंगापुर के केंद्रीय बैंक ने एक नई डिजिटल सूचना सांझाकरण प्रणाली शुरू की, जिससे वित्तीय संस्थानों को ग्राहक डाटा सांझा करने और लाल झंडे उठाने की अनुमति मिल गई। इन दिनों, सिंगापुर में कर छूट के साथ पारिवारिक कार्यालय शुरू करने में बहुत अधिक समय लग रहा है।

बढ़ते तापक्रम से दहल उठा देश

● क्या वृक्षारोपण के छुट-पुट प्रयास पर्याप्त हैं ?

● प्रकृति विनाश की जिम्मेदार सरकार की नीतियां ही है

हरनाम सिंह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 20 जून 2024 तक देश में गर्मी के प्रकोप से 110 मौतें हो चुकी है। 40 हजार से अधिक लोग हिट स्ट्रोक्स से अस्पतालों में भर्ती रहे हैं। इससे पहले कभी सरकार ने भीषण गर्मी के असर को रिकॉर्ड में नहीं लिया था। हालांकि इस हाहाकार का कारण सरकार की नीतियां ही हैं, लेकिन सरकार और शासक दल की और कोई उंगली नहीं उठाता। जागरूकता के अभाव में पर्यावरण को कभी भी चुनावी मुद्दा बनने ही नहीं दिया गया है। प्रतिवर्ष मानसून के पहले से ही पर्यावरण बचाने के नाम पर वृक्षारोपण (पौधारोपण) के प्रयास प्रारंभ हो जाते हैं। इस हेतु अखबारों में अनेक संगठनों के सचित्र समाचार छपते हैं। स्कूलों में प्रतियोगिताएं होती है। उपदेश दिए जाते हैं। पौधरोपण के रिकॉर्ड बनते हैं। कलश यात्राएं निकलती है। श्रमदान के माध्यम से नदी, नालों, बावड़ियों की सफाई की जाती है। इन सबके बीच पर्यावरण को बर्बाद करने वाले असली अपराधी नजरों से ओझल ही रहते हैं। मानसून बीतते ही आगामी वर्ष के लिए ये सभी गतिविधियां स्थगित हो जाएगी। यह कर्मकांड प्रतिवर्ष होता है। अमूमन ये सारे उपक्रम दिखावटी, अपर्याप्त और अधूरे ही होते हैं। निरंतर बढ़ते तापक्रम ने इसे प्रमाणित भी किया है। बकौल ग़ालिब *÷दर्द बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की÷

शासन की नीतियां हैं जिम्मेदार

बिगड़ते पर्यावरण पर सामाजिक स्तर पर तो सभी चिंतित रहते हैं लेकिन सरकार के स्तर पर किसी को परवाह नहीं है। हिमालय की तराई में स्थित राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सहित पूर्वांचल के निवासी सरकार की पर्यटन परियोजनाओं से आतंकित हैं। सड़कों, बांधो, पर्यटन स्थलों के लिए बड़े पैमाने पर काटे गए वृक्षों का असर बाढ़, भूस्खलन के रूप में सामने आया है। जोशीमठ सहित कई आबादी क्षेत्र नष्ट होने के कगार पर हैं। पहाड़ों को काटना नदियों के प्रवाह को रोकने के दुष्परिणाम दिखाई देने लगे हैं। चेतना के अभाव में सरकार की इन योजनाओं का संगठित और सक्रिय विरोध नहीं होता, क्योंकि प्रकृति विनाश चुनावी राजनीति को प्रभावित नहीं करता है।

धार्मिक पर्यटन बना बड़ा खतरा

सरकार की नीतियां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की रही है, उसी के तहत पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बनाई गई है। प्रति वर्ष चार धाम की यात्रा के लिए निकले श्रद्धालु हिमालय के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। पिछले 15 दिनों में ही 15 लाख तीर्थ यात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ पहुंचे हैं। सरकार और व्यापारी तो खुश हैं लेकिन वहां का पर्यावरण बुरी तरह से प्रदुषित हो रहा है।

हाल ही में भोपाल में विधायकों, मंत्रियों के आवास के लिए 29 हजार वृक्ष काटने की योजना प्रदेश सरकार की ही थी। क्या सरकार में बैठे जन प्रतिनिधियों को वृक्षों की अहमियत की जानकारी नहीं है ? भविष्य में भी अगर ऐसी ही योजना पुनः लागू करने के प्रयास होंगे तो बिना वृक्ष काटे इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सकेगा। जनता के बीच से चुने जाने के बाद उनके प्रतिनिधि पुराने सही-सलामत भवनों में क्यों नहीं रह सकते ? कम ही लोग जानते होंगे कि मंत्रियों के बंगले, विधायकों के लिए निर्मित आवास सर्व सुविधा युक्त होते हैं। कई विधायकों के लिए तो उनके अपने घरों से वे कई गुना अधिक सुविधाएं ऊन में होती है। कर्ज में गले- गले तक डूबे प्रदेश में जनप्रतिनिधियों के लिए ऐशो-आराम का इंतजाम कहां तक उचित है ? विचार करके देखिए। आम से खास हो जाने की इस प्रक्रिया पर समाज में कभी सवाल नहीं उठाए जाते। मध्य वर्ग के इस दोहरे रवैये ने पर्यावरण संरक्षण को पाखंड में बदल दिया है।

खुले भ्रष्टाचार पर चुप्पी

पौधारोपण के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए व्यय किए जाते हैं। परिणाम ही बता रहे हैं कि सारा धन भ्रष्टाचार की गंदी नाली में बहाया जा चुका है। हाल ही में प्रदेश के एक कद्दावर नेता, मंत्री ने इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने की घोषणा की है। इस खोखली और भ्रष्ट योजना की पोल एक सामाजिक कार्यकर्ता के विश्लेषण ने खोल दी। उसके अनुसार एक निश्चित दूरी पर रोपे जाने वाले पौधों के लिए एक हजार 275 वर्ग किलोमीटर जमीन चाहिए। जबकि इंदौर नगर निगम की सीमा ही 278 वर्ग किलोमीटर है। अगर पूरे शहर में पौधारोपण किया जाए तो भी 13 लाख 60 हजार से अधिक पौधे नहीं लगाए जा सकते हैं। शेष पौधों का क्या होगा ? यह है 51 लाख पौधे लगाने की घोषणा की हकीकत।

कार्बन के लिए ऑक्सीजन का विनाश

वैश्विक स्तर पर पर्यावरण प्रदूषण के लिए कोयला ही सर्वाधिक जिम्मेदार माना गया है। देश में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के प्रयासों के बावजूद आज भी कई उद्योग कोयले पर निर्भर हैं। इसी कोयले के लिए छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में 137 हेक्टेयर में फैले लाखों वृक्ष काटे जा चुके हैं। आने वाले दिनों में लगभग ढाई लाख वृक्ष और काटे जाने हैं। अदानी समूह की कोयला खदानों के लिए ऐसे ही प्रयास महाराष्ट्र के नागपुर और चंद्रपुर में भी हो रहे। देश का मध्यवर्ग जो आए दिनों वृक्षारोपण के नाम पर अपनी छपास और प्रचार की खुजली मिटाता रहा है। उसने कभी इन जंगलों को बचाने के प्रयासों में भागीदारी नहीं निभाई है।

देश की जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है। इनमें से 40 प्रतिशत आदिवासियों को पूंजीपतियों के लिए जंगलों से खदेड़ा जा चुका है, ताकि वन क्षेत्र की संपदा और भूमिगत खनिजो को उन के हवाले किया जा सके। कभी हीरे के लिए तो कभी कोयले के लिए।

वन क्षेत्र में निवासरत आदिवासी जब वन कटने की गतिविधियों का विरोध करते हैं तो उनकी बहन बेटियों की आबरू लूटी जाती है। जंगलों से उन्हें खदेड़ा जाता है। लाखों आदिवासी शहरों की ओर पलायन करने के लिए विवश हो जाते हैं। आदिवासी क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर गठरियों और अपने बच्चों के साथ पंजाब जैसे विकसित राज्यों में आदिवासियों के पलायन के दृश्य आम है। जब पर्यावरण नष्ट करने की इन नीतियों का विरोध आदिवासी करते हैं तो उन्हें नक्सलवादी घोषित कर मार डाला जाता है। ऐसी ही निर्मम हत्याओं पर सवाल उठाने वाले मानव अधिकार कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों को अर्बन नक्सल घोषित कर प्रताड़ित किया जाता है। इन सब गतिविधियों पर हमारे शहरों में रहने वाले कथित पर्यावरण प्रेमी मौन ही रहते हैं। वे उंगली उठाकर किसी प्रधानमंत्री, किसी मंत्री, किसी सांसद, किसी विधायक को नाराज नहीं करना चाहते।

जब तक पूंजीपतियों के हितों के लिए काम करने वाली सरकारों, जनप्रतिनिधियों को खुलकर कटघरे में खड़ा नहीं किया जाएगा तब तक पर्यावरण में किसी सुधार की गुंजाइश कम ही है। शायद आने वाले वर्ष हमें भीषण गर्मी के प्रकोप से ना बचा पाए, क्योंकि आज लगाया गया पौधा वृक्ष बनने में समय लेता है,तब तक अपनी खैर मनाइये।

आज का कार्टून

अधूरे वायदों के बीच किसानों का असंतोष दूर कैसे हो

सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में प्रवेश कर रही है, इसलिए कृषक समुदाय का विश्वास जीतने के लिए वास्तविक और पर्याप्त सुधारों की आवश्यकता होगी, जो किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दें। कृषि हमेशा से भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना का आधार रही है। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में केंद्र सरकार के साथ खटास भरे संबंधों को देखा है। कृषि में क्रांति लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी वायदों और उसके बाद की नीतियों को अक्सर कृषक समुदाय के संदेह और गुस्से का सामना करना पड़ा है। यह असंतोष राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हाल ही में हुए आम चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। विवादास्पद कृषि कानून और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) के लिए कानूनी गारंटी की अधूरी मांग सहित इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले गहरे मुद्दे किसानों की पीड़ा और गुस्से को बढ़ाते रहते हैं। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जिसमें से 47 प्रतिशत कृषि पर निर्भर है। भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद, कृषि आय स्थिर रही है जो 2019 में औसतन लगभग 10,000 रुपए मासिक रही। आधे परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं और उनके पास पारंपरिक वित्त पोषण की कमी है। पिछले एक दशक में खेती पर सार्वजनिक खर्च में कमी आई है और जरूरी सुधार लागू नहीं किए गए हैं। नतीजतन, कृषि क्षेत्र, जो भारत के लगभग आधे श्रमिकों को रोजगार देता है, सकल घरेलू उत्पाद में पांचवें हिस्से से भी कम योगदान देता है। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी का वायदा अभी भी अधूरा है। 2014 में शुरू हुए मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में किसानों की आय दोगुनी करने के वायदों के साथ कृषि पर काफी ध्यान दिया गया था। हालांकि, ये वायदे विवादों और किसान विरोधी नीतियों के कारण दब गए। 2020-21 में किसानों की पीड़ा और गुस्सा अपने चरम पर पहुंच गया और फसल बिक्री, मूल्य निर्धारण तथा भंडारण के नियमों को आसान बनाने के उद्देश्य से विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए।

लोकजीवन की आत्मगाथा और हमारा समाज

बुलाकी शर्मा

लोक साहित्य का सृजक लोक ही है, इसीलिए उसमें लोक-जीवन की आत्म गाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएं कहनी शुरू कर दी थीं- यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभवों की कथाएं हैं, साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं और कथाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदम-ताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है। परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है। इसमें वह समय भी है, जब सैलानी जादुई उड़नखटोले से भ्रमण करते नजर आते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ जैसे-जैसे विकास होता गया, सैलानी उड़नखटोले की जगह हेलिकाप्टर, हवाईजहाज से सफर करने लगे। लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़ कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात कराते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहां के लोक साहित्य को जानना जरूरी है, क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि सभी रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज-सरल-सरस होती है कि वे लोक-कंठों में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म-प्रचार के समय में हम लोक साहित्य सृजकों के आत्म-प्रचार से दूर रहने की मनःस्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान-सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे कि उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे। उन्होंने लोक में जो देखा, जो अनुभव किया, उसे अभिव्यक्त करते हुए अपने लोक-दायित्व का निर्वहन किया। अपने मन के भावों को गीत, गाथा या कथा के माध्यम से अभिव्यक्त करने में ही उन्हें आत्मिक तृप्ति की अनुभूति होती थी। उनके मन के भाव इतने अनुभूत, यथार्थपरक, सच्चे और प्रभावोत्पादक होते थे कि उनके अंतस्थल से निसृत बोल लोग आत्मसात कर लेते थे, उन्हें वे कंठस्थ हो जाते थे और अन्य लोगों को सुनाने में उन्हें आनंद का अनुभव होता था। इस श्रुति-परंपरा ने वर्षों से लोक साहित्य को लोगों के कंठों में बसाए रखा है। श्रुति-परंपरा के सहारे ही वे आज तक हमारे बीच जीवित हैं। देशी-विदेशी, सभी भाषाओं का लोक साहित्य लोक से जुड़ाव रहा है। मनुष्य-समाज में लोक ही ऐसा वर्ग रहा है जो अभिजात्य संस्कारों, पांडित्य प्रदर्शन या दंभ से मुक्त रहकर परंपराओं को आत्मसात किए हुए लोकचित्त की बात करता है। मौखिक लोक साहित्य कंठों से कंठों की यात्रा करते हुए, श्रुति-परंपरा के माध्यम से अपना स्वरूप बनाता और सुधारता रहा है। धीरे-धीरे उसे लिखित स्वरूप भी मिलता रहा है। फिर भी लगभग सभी भाषाओं का अधिकांश लोक साहित्य आज भी लोक-कंठों में बसा हुआ है। उसका लिखित स्वरूप बहुत कम मात्रा में आ पाया है। अग्रज पीढ़ी के लेखकों ने लोक कथाओं के संग्रहण और संरक्षण के लिए प्रशंसनीय कार्य किया, लेकिन युवा पीढ़ी का इस ओर रुझान कम ही नजर आ रहा है, जबकि अभी भी लोक साहित्य पर काम करने की महती आवश्यकता है।

अगर इस अमूल्य धरोहर को लिखित रूप में संरक्षित करने का हम ईमानदार प्रयत्न नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे यह लोक साहित्य लुप्त हो जाएगा। महिलाएं सदियों से लोक गीतों को संरक्षित करने का काम करती रही हैं। जन्म से मृत्यु तक के सभी संस्कारों में महिलाएं लोक गीत गाती हैं। इन लोक गीतों में समय के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में आते बदलावों की झांकी भी हम देख सकते हैं, लेकिन खेद है कि आज की युवा पीढ़ी लोकगीतों से विमुख होने लगी है। उन पर सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और वे लोकगीतों की जगह फिल्मी गीतों-गजलों, उनकी पैरोडियों की ओर ज्यादा आकर्षित होने लगे हैं, जो लोकगीतों के संरक्षण के लिहाज से चिंताजनक है।

हरेक भाषा का लोक साहित्य आधुनिक साहित्य को सदैव से ऊर्जावान करता आया है। लोककथा की प्राचीन और समृद्ध परंपरा से संस्कार ग्रहण कर आधुनिक कहानी को नूतन आयाम दिए जा सकते हैं, क्योंकि लोककथा अपने कथ्य और कहनपन के बल पर श्रोता और पाठक को सम्मोहित किए रहती है और उसके मन में यह उत्सुकता बनाए रखती है कि आगे क्या होगा। सफल कहानी भी वही कहलाती है जो पाठक और श्रोता को अंत तक बांधे रखे, उसमें उत्सुकता बनाए रखे।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी

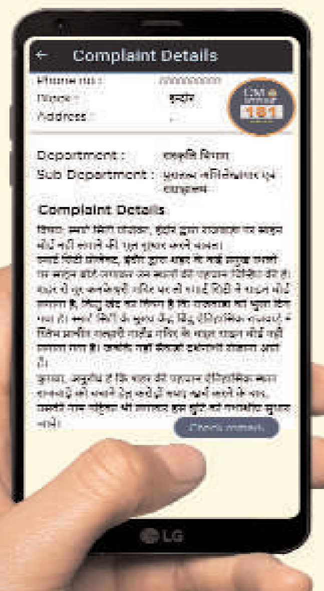

दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्सएप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ग्रो यूजर्स का बड़ा दावा, कहा पैसा भी कटा और निवेश भी नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रोकरेज कंपनी ग्रो पर एक यूजर ने फ्रॉड का आरोप लगाया है। यूजर ने बताया कि निवेश ना होने के बावजूद अकाउंट से पैसा कट गया। ग्रो की तरफ से इस पूरे मामले में स्पष्टीकरण आया है। वहीं, ग्राहक का पैसा भी रिफंड किया गया है। हनेंद्र प्रताप सिंह नाम के एक ग्राहक ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने लिखा कि अकाउंट से पैसा कटने के बाद भी ग्रो ऐप ने किसी भी म्युचुअल फंड्स में पैसा नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि ग्रो ऐप ने एक गलत फोलियो नंबर बनाया जोकि अस्तित्व में ही नहीं है। हनेंद्र सिंह ने दावा किया जब उनकी बहन ने पैसा निकालने की कोशिश की तब उन्हें पता चला कि कोई निवेश हुआ ही नहीं है। बता दें, उन्होंने इसका स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। लेकिन बाद में इसे डीलीट कर दिया गया। हालांकि, तब तक कई अन्य यूजर्स ने इसे शेयर कर दिया। हनेंद्र ने लिंकडिन पोस्ट में लिखा कि मेरी बहन ने 2020 में पराग पारिख म्युचुअल फंड में ग्रो ऐप के जरिए पैसा लगाया था। तब ट्रांजैक्शन सफल दिखाया था। और एक फोलियो नंबर भी जनरेट हुआ था। लेकिन जब हमने पैसा निकालने की कोशिश तब हमें फ्रॉड का पता चल पाया। उन्होंने बताया कि पराग पारिख में बात करने पर पता चला कि किसी प्रकार का निवेश हुआ ही नहीं है। और जो फोलियो नंबर ग्रो ने दिया है वो अस्तित्व में ही नहीं है। एक ऐसे ही सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में ग्रो ने बताया कि कस्टमर के डैशबोर्ड में गलती से एक फोलिया अपडेट हो गया था। लेकिन किसी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ था। ग्राहक के खाते से कोई पैसा नहीं काटा गया है। ग्रो ने बताया कि 'गुड फेथ' की वजह से उन्होंने उनके खाते में पैसा जमा करवा दिया है। लेकिन कंपनी ने डेबिट की हुई राशि का बैंक स्टेटमेंट मांगा है।

बाजार में कमाई का मौका, वैशाली पारेख ने दी स्टॉक्स को खरीदने की सलाह, लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख और विदेशी कोषों की निकासी के बीच सोमवार को स्थानीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले हैं। शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा काटा जिससे बाजार नीचे आया है। सुबह बाजार खुलने के साथ बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 463.96 अंक गिरकर 76,745.94 अंक पर आ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 149.6 अंक टूटकर 23,351.50 अंक पर आ गया था। हालांकि इसके बाद बाजार में तेजी आई और दोपहर करीब एक बजे बीएसई सेंसेक्स 140 अंकों के उछाल के साथ 77,343 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 36 अंकों की बढ़त के साथ 23,535 के स्तर पर आ गया है। अगर ऐसे बाजार में भी आप कमाई करना चाहते हैं तो शेयर मार्केट एक्सपर्ट वैशाली पारेख की सलाह पर अमल कर सकते हैं। हालांकि आप बिना जानकारी के शेयर बाजार में निवेश न करें। किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले आप एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। ब्रोकरेज फर्म प्रभुदास लीलाधर की टेक्निकल रिसर्च वीपी वैशाली पारेख ने दो स्टॉका का रिकोमेंडेशन किया है।

शेयर नहीं पारस पत्थर हैं सरकारी कंपनियों के स्टॉक

कई शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है ▶▶ कोचीन शिपयार्ड ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है

रेल विकास निगम में निवेश करने वालों को बंपर मुनाफा हुआ है

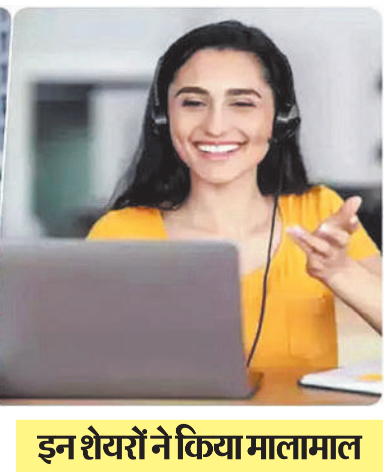

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कई ऐसे स्टॉक हैं, जिन्होंने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। इन शेयरों में निवेश करने वाले मालामाल हो गए हैं। इन शेयरों ने काफी कम समय में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आज हम आपको एक ऐसे ही सरकारी कंपनियों के शेयरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इन शेयरों में लगातार तेजी बनी हुई है। यहां हम आपको ऐसे 3 स्टॉक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें निवेश करने वालों को सिर्फ दो साल में ही एक हजार फीसदी से ज्यादा का छप्परफाड़ रिटर्न मिला है। ये शेयर किसी पारस पत्थर से कम नहीं हैं। हालांकि आप शेयर बाजार में किसी भी स्टॉक में बिना जानकारी के निवेश न करें। ऐसा करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें।

इन शेयरों ने किया मालामाल

निवेशकों को मालामाल करने वाले शेयरों में कोचीन शिपयार्ड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स और रेल विकास निगम शामिल हैं। इन शेयरों में दो साल पहले एक लाख रुपये का निवेश करने वालों की रकम 15 लाख से ज्यादा हो चुकी है। कोचीन शिपयार्ड की बात करें तो इस शेयर ने पिछले 2 वर्षों में निवेशकों को 1200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। यह शेयर बीते शुक्रवार को एनएसई पर 2139 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं। वहीं दो साल पहले की बात करें तो साल 2022 में 24 जून को ये शेयर 155 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस शेयर में निवेश करने वालों को शानदार रिटर्न मिला है।

लगातार बढ़ रहे भाव

बाजार में निवेशकों को बंपर रिटर्न देने के मामले में रेल विकास निगम का शेयर भी शामिल है। दो साल पहले 24 जून 2022 को ये शेयर सिर्फ 30 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं बीते शुक्रवार यानी 21 जून को यह शेयर 409 रुपये के स्तर पर बंद हुआ है। ऐसे में देखें तो इसने बीते दो वर्षों में निवेशकों को 1200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। शेयर में अभी भी तेजी बनी हुई है। अगर किसी ने इस शेयर में दो साल पहले एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी रकम 13 लाख रुपये से ज्यादा हो चुकी होती।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर ने भी निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इसमें निवेशकों को दो साल में 1400 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। साल 2022 में 24 जून को ये शेयर 245 रुपये के भाव पर था। वहीं अभी यह शेयर 3896 रुपये के स्तर पर है। इसमें एक लाख रुपये का निवेश करने वालों को 15 लाख रुपये से ज्यादा का रिटर्न मिला है।

1 जुलाई से बिल भरने में होगी दिक्कत, कई बैंकों ने अभी तक नहीं किया बीबीपीएस पर रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक ऐप्स के जरिए क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान करने वाले ग्राहकों को 30 जून के बाद मुश्किल हो सकती है। दरअसल, जिन बैंकों और क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सभी कंपनियों ने आरबीआई के भारत बिल पेमेंट सिस्टम पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उनके ग्राहकों के लिए इन ऐप्स से बिल पेमेंट की सुविधा बंद हो जाएगी।

रिजर्व बैंक ने रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 30 जून तय की है। बताया जा रहा है कि अब तक एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस रजिस्ट्रेशन नहीं किया है। इन तीनों बैंकों के पांच करोड़ से अधिक क्रेडिट कार्ड धारक हैं। वहीं, फिनटेक ऐप्स फोन-पे और क्रेड पहले से रजिस्टर्ड हैं। जिन बैंकों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उनके ग्राहक भी फिनटेक कंपनियों के ऐप के जरिए एक जुलाई से बिल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। बताया जा रहा है कि कंपनियों और बैंकों ने समयसीमा को 90 दिनों तक बढ़ाने की मांग की है। अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर बिल भुगतान को सक्रिय किया है, जबकि कुल 34 बैंकों को क्रेडिट कार्ड जारी करने की अनुमति है। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक के सोशल मीडिया मंच एक्स पर आधिकारिक खाते से छेड़छाड़ की गई है।

हिंडनबर्ग पर जमकर बरसे गौतम अडानी, कहा- हमें बदनाम करने के लिए बनाई गई थी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के एजीएम के दौरान समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने सोमवार को निवेशकों को संबोधित किया। भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के बीच अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने सोमवार को निवेशकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की ओर से समूह को बदनाम करने के लिए और अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया।

अदाणी ने कहा कि शॉर्ट-सेलर की ओर से किए गए हमले के बाद लिक्विडिटी हमारे लिए सबसे बड़ी संपत्ति बन गई। धन जुटाने से से बाजार का भरोसा बहाल हुआ, अस्थिरता के खिलाफ पोर्टफोलियो की रक्षा की गई। अदाणी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक संबंधों को तनाव देते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। प्रौद्योगिकी परिवर्तन हमारे जीने और काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। शेयरधारकों के संबोधन का समापन अदाणी ने हम करके दिखाएंगे कहकर किया।

कंपनी के वार्षिक आम बैठक के दौरान अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने कहा कि 2 साल के लिए कर्ज के पुनर्भुगतान को कवर करने के लिए हमने 40,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को बताया कि पिछले 5 साल में समूह का सालाना खर्च तीन गुना हो गया।

गौतम अदाणी ने कहा कि हिंडनबर्ग के आधारहीन दावों से हम प्रभावित हुए। इससे हमारा एफपीओ प्रभावित हुआ। अदाणी ने कहा, चुनौतियों के बावजूद हमने अपने निवेशकों का विश्वास हासिल किया। जीक्यूजी, क्यूआईए, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प ने हम पर भरोसा जताया। हमारी परीक्षा लेने वाली विपरीत परिस्थितियों ने हमें और भी मजबूत बना दिया।

भारतीय बाजार में फिर लौटे विदेशी निवेशक, जून में अब तक किया 12 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूत वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक (21 जून तकत्र भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 12,170 करोड़ रुपए डाले हैं। नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता और सतत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद में एफपीआई का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली थी।

क्या कह रहे आंकड़े

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी (21 जून) 11,194 करोड़ रुपए रही है। मोजो पीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया ने कहा कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। फिडेलफोलियो के स्मॉलकेस प्रबंधक और संस्थापक किसलय उपाध्याय ने कहा, हालांकि आम चुनाव के नतीजे एक तरह से आश्चर्यचकित करने वाले थे लेकिन बाजार स्थिर सरकार के गठन का जश्न मना रहा है।

इस वजह से बढ़ा भरोसा

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इसके अलावा वृद्धि को समर्थन देने वाले बजट की उम्मीद से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,575 करोड़ रुपए डाले हैं।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कहा कि ऊंची ब्याज दरों तथा कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने आर्थिक दृष्टिकोण में, एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ने के साथ भारत की आर्थिक वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से ऊपर की ओर बनी हुई है। एसएंडपी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ऊंची ब्याज दर और राजकोषीय घाटे में कमी से गैर-कृषि क्षेत्रों में मांग में नरमी के साथ चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए, एसएंडपी ने क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया। वित्त वर्ष 2025 के लिए एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तुलना में कम है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति घटने के कारण कारण चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एशियाई विकास बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। चीन के लिए, एसएंडपी ने अपने 2024 के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें क्रमिक मंदी आ सकती है।

जनजातीय वर्ग के युवाओं को शिक्षा प्रवृत करने की ओर बढ़ते कदम

विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में 2.59 लाख जनजातीय विद्यार्थियों को 494 करोड़ रूपये की छात्रवृति वितरित

इंदौर। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की पहल पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं विकास मदों में जनजाति विद्यार्थियों के कल्याण एवं जनजातीय बस्तियों के समग्र विकास के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं।

जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत वित्त वर्ष 2023-24 में 2 लाख 59 हजार जनजातीय विद्यार्थियों को 494 करोड़ रूपये की छात्रवृति राशि वितरित की गई है। छात्रवृति की यह राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक बचत खाते में डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिये हस्तांरित की गई।

आवास भत्ता योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-24 में विभाग द्वारा एक लाख 25 हजार जनजातीय विद्यार्थियों को 156 करोड़ रूपये की आवास भत्ता राशि डीबीटी के जरिये वितरित की गई। विदेश अध्ययन छात्रवृति योजना के तहत विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में 10 होनहार विद्यार्थियों को 2 करोड़ 90 लाख रूपये की विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन के लिये पात्रतानुसार छात्रवृति राशि वितरित की गई।

SSC CGL 2024 Notification Released for 17727 Vacancies; Check Exam Date, Online Form, Salary

SSC CGL Notification 2024: The Staff Selection Commission released the SSC CGL Recruitment Notification on its official website. Interested and eligible candidates can apply for the Combined Graduate Level Examination 2024 from June 24 to July 24. However, the last date to pay application fee is 25th July. The window for application correction will remain open on 10 and 11 August. According to the notification, a total of 17727 vacancies will be filled through this recruitment drive. SSC CGL is a national-level exam which is conducted for the recruitment of candidates for various Group 'B' and 'C' posts such as Assistant Audit Officer, Assistant Accounts Officer, Inspector (Examiner), Sub Inspector, Assistant Section Officer and more.

SSC CGL 2024 Notification Out

The SSC CGL Notification 2024 PDF for 17727 vacancies has been published on the official website at ssc.gov.in. Graduates falling within the age limit of 18 to 32 years can submit their application forms till 24 July. However, the deadline for paying application fee is 25 July. Selection of candidates will be based on their aggregate performance in Tier 1 and Tier 2. Tier 1 will be qualifying in nature.

SSC CGL 2024 Exam Overview

SSC CGL exam is held annually to shortlisted eligible candidates for various Group B and C posts. These positions include Assistant Audit Officer, Assistant Accounts Officer, Inspector (Examiner), Sub Inspector, Assistant Section Officer, Assistant Enforcement Officer, Divisional Accountant, Inspector, Assistant Superintendent, Inspector of Income Tax, Senior Secretariat Assistant/Upper Division Clerk, Auditor, Tax Assistant, Accountant/Junior Accountant, Junior Statistical Officer, and Statistical Investigator Grade-II.

SSC CGL Exam Date 2024

The commission will announce SSC CGL Tier 1 exam dates anytime soon. Going by the official notification, the exam will be conducted in the month of September or October 2024. We will notify you as soon as the exact SSC CGL exam date will be announced.

SSC CGL Vacancy 2024

The Staff Selection Commission has notified 17727 vacancies for SSC CGL exam for the recruitment of various Group B & C posts. Last year, the commission notified 8,415 vacancies for Group B and C posts, and the year before, 37,409 vacancies were announced.

इंदौर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 28 जून को, 500 से अधिक युवाओं को नौकरी देंगी 9 से अधिक कंपनियां

इंदौर। इंदौर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय इन्दौर द्वारा 28 जून 2024 शुक्रवार को सुबह 10-30 बजे से दोपहर 03 बजे तक आयोजित किया जायेगा। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास, 10 पोलोग्राउन्ड इंदौर में आयोजित होगा। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे सोलर माईन्सय, इको इंटरप्रायसेस, झील फैशन वेयर, चाट पुचका फुड्स, जस्ट डॉयल, चैनल प्ले, जना स्मॉल फाइनेंस, बी-ऐबल, मैनपॉवर सर्विसेज (एसजीएस) आदि द्वारा लगभग 500 से अधिक विभिन्न पदों पर भर्ती की जायेगी। इनमें मुख्य रूप से समन्वयक, सैफ, मोबालाईजर, सेल्स एक्जिकिटीव, टेलीकॉलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेक्नीशियन, सैल्स, सुरक्षा गार्ड, हैल्पर आदि पद शामिल है। रोजगार मेले में कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। उक्त रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की अनपढ़ से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में है, शामिल हो सकते हैं। किसी भी विषय में उर्तीण आवेदक एवं तकनीकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को अपनी सभी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडाटा की प्रतियाँ एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लाना होगी।

आईटीआई नंदा नगर इंदौर में रोजगार मेला आज

इन्दौर। राज्य शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार इंदौर जिले में युवाओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में नौकरियां दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस सिलसिले में संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) नन्दा नगर, इंदौर में आज सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में प्रतिभाशाली महिलाओं के लिए अपने करियर को आगे बढ़ाने का शानदार अवसर है। कौशल के आधार पर केवल महिला उम्मीदवार इस जॉब के लिए आवेदन कर सकती है। इस मेले में ट्रेनिंग ऑफिसर, एसएमओ तथा क्वालिटी चेकर के पदों पर नियुक्ति होगी। 18 वर्ष से 35 वर्ष उम्र की महिलाएं शामिल हो सकती है। आवेदक के पास न्यूनतम योग्यता 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई तथा स्नातक उत्तीर्ण अनिवार्य है।

स्टाइलिश लुक देने में मदद करेंगे चिकनकारी वर्क वाली कुर्ती स्टाइल सलवार-सूट

किसी पार्टी में जाना हो या ऑफिस में पहनना हो। सलवार-कमीज के डिजाइंस में आपको कई तरह की वेरायटी देखने को मिल जाएगी। वहीं डिजाइन और फैब्रिक के लिए मौसम को समझना भी काफी जरूरी होता है। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और इस मौसम में त्वचा को ठंडक देने वाले डिजाइन और रंगों का चुनाव करना चाहिए। डिजाइन की बात करें तो चिकनकारी वर्क को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं चिकनकारी वर्क वाले सलवार-सूट के खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन सलवार-सूट को स्टाइल करने के आसान टिप्स-

फॉक स्टाइल सलवार-सूट

शॉर्ट कुर्ती में आजकल फॉक या पेप्लम स्टाइल कुर्ती सूट को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इस तरीके के सूट के साथ में आप चिकनकारी वर्क वाले शरारा को स्टाइल कर सकते हैं। सूट के साथ में आप चाहे तो दुपट्टे को स्किप भी कर सकती हैं। इस तरीके का सूट आपको मार्केट में रेडीमेड 1,000 रुपये में मिल जाएगा।

कलीदार सलवार-सूट

कलीदार सूट एवरग्रीन फैशन में रहता है। इस तरह के लॉन्ग फ्लोर लेंथ कलीदार कुर्ती स्टाइल आपको मार्केट में लगभग 1500 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। इसमें आपको फुल स्लीव्स के आलावा स्कूप नेक डिजाइन में भी कई तरह के वर्क वाले सूट देखने को मिल जाएंगे। आप चाहे तो इस तरह के सूट के साथ में लॉन्ग स्कर्ट को भी पहन सकती हैं।

ऑम्ब्रे डिजाइन सलवार-सूट

आजकल ऑम्ब्रे शेड फैशन ट्रेंड में काफी ज्यादा नजर आ रहा है। इसमें आपको कई कलर्स देखने को मिल जाएंगे। चिकनकारी वर्क में आपको इस तरह में लूज डिजाइन के कुर्ती स्टाइल सूट में काफी सारी वेरायटी देखने को मिल जाएगी। इस तरह का सूट आपको फैब्रिक खरीदकर खुद सिलवाना पड़ेगा। वहीं इस तरह के लुक के साथ में आप पर्ल डिजाइन की ज्वेलरी को स्टाइल करें।

2 से 5 साल के बच्चों को डिसिप्लिन सिखाने का ये है बेस्ट तरीका

दुनिया तेजी से बदल रही है। इसी के साथ माता-पिता के सामने कई चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती है, बच्चों को अनुशासित बनाने की। हर माता-पिता के मन में यह प्रश्न रहता है कि बच्चे को अनुशासन कैसे सिखाया जाए? हाल के दिनों में जिस तरह से बच्चों में अनुशासनहीनता की घटनाएं बढ़ी हैं, उसे देखते हुए यह चिंता जायज भी लगती है। बच्चों को अनुशासित बनाने का प्रयास जितनी जल्दी प्रारंभ कर दिया जाए, उतना सही परिणाम मिल सकता है। दो से पांच साल तक की उम्र बच्चों के व्यवहार को निर्धारित करने में बड़ी भूमिका निभाती है।

कहने की नहीं, करने की है जरूरत बच्चे शब्दों से ज्यादा क्रियाओं पर ध्यान देते हैं। इसलिए, उन्हें अनुशासित बनाने की पहली शर्त है- आपका स्वयं अनुशासित होना। अगर आप बातचीत में अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो बच्चे को यह सिखाना व्यर्थ है कि उसे अच्छा बोलना चाहिए। बच्चे को यह बताने का प्रयास मत कीजिए कि उसे क्या नहीं करना है। बल्कि, उसके समक्ष इस बात का उदाहरण दीजिए कि उसे क्या करना है। आपका संतुलित व्यवहार उसे स्वयं ही आप जैसा बनने के लिए प्रेरित करेगा। बच्चे को चिल्लाकर चुप रहने की सीख नहीं दी जा सकती है।

तर्क के साथ रखें पक्ष

बच्चों को व्यवहार से जुड़ी कोई सीख देते समय उनके मन में उठने वाले प्रश्नों पर ध्यान दें। यदि वह पलटकर कोई प्रश्न करे, तो आपको उसका तार्किक समाधान देना चाहिए। इससे बच्चा आपकी कही हर बात को आत्मसात कर पाता है। जैसे ही आप उसके प्रश्नों पर उसे डांटकर चुप कराने और बस आपका निर्देश पालन करने के लिए कहते हैं, वह उन बातों को न अपनाने के लिए प्रेरित होता है।

पहली गलती पर ही रोकें

बच्चों के व्यवहार में सबसे बड़ी भूमिका माता-पिता की होती है। कई बार छोटे बच्चे की किसी गलती को माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य ही हंसकर टाल देते हैं। कई बार बच्चे की तोतली आवाज में अपशब्द सुनकर सभी को हंसी आ जाती है।

कई बार जिद में जब बच्चा किसी बड़े पर हाथ उठाता है, तब भी यह कहकर टाल दिया जाता है कि बच्चा है, सीख जाएगा। यह गलत है। बच्चे की किसी भी ऐसी बात का समर्थन मत कीजिए, जो आप चाहते हैं कि उसकी आदत का हिस्सा न बने।

पहली ही गलती पर उसे रोकें। इसके लिए गुस्सा करने या डांटने की जरूरत नहीं है, लेकिन धीमी आवाज में दृढ़ता से उसे यह अवश्य बताएं कि यह काम सही नहीं है। इससे बच्चा उस गलती को दोहराने से बचता है।

इच्छा और जिद का अंतर समझें

कई बार माता-पिता अपने बच्चे की हर इच्छा पूरी करने के प्रयास में उसे जिद्दी बना देते हैं। ऐसा न करें। आपको इच्छा और जिद के बीच के अंतर को समझना होगा। बच्चे को यह समझ में आना चाहिए कि उसकी कही हर बात या उसकी हर मांग पूरी नहीं की जा सकती है। उसकी इच्छाएं जिद में न बदले, इसका प्रयास करना जरूरी है।

अच्छे की प्रशंसा करें

बच्चों को गलती करने पर टोकना जितना जरूरी है, अच्छा करने पर प्रशंसा भी उतनी ही जरूरी है। बच्चे को अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें और जब वह कुछ अच्छा करे, तो उसकी प्रशंसा करके उत्साह भी बढ़ाएं। इससे बच्चे को सही और गलत के बीच अंतर समझने में आसानी होती है। वह अपने कार्यों में इस अंतर को समझ पाता है कि क्या करने पर उसे टोका जा रहा है और क्या करने पर प्रशंसा मिल रही है।

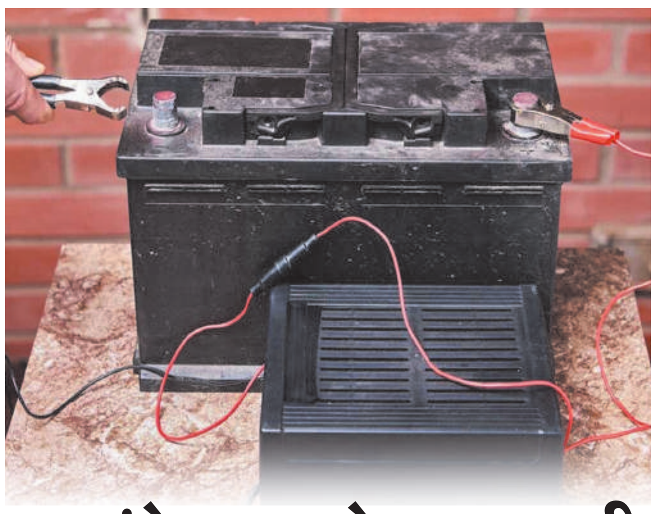

लंबे समय से खराब पड़ी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इन कामों में करें इस्तेमाल

अगर आप बैटरी को खोलते हैं या उसे किसी इक्विपमेंट में इस्तेमाल करते हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। इसके साथ ही यहां कुछ काम दिए गए हैं, जिनमें आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग कर सकते हैं।

पुरानी इन्वर्टर बैटरी को खराब होने के बावजूद भी कई कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां कुछ ऐसे कामों की लिस्ट है, जिनमें आप इस बैटरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस बात का ध्यान दें कि इन्वर्टर बैटरी में जहरीले रसायन होते हैं। इनका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और सिक्योरिटी इक्विपमेंट पहनें। अगर आप बैटरी को खोलते हैं या उसे किसी इक्विपमेंट में इस्तेमाल करते हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। अगर आप अनिश्चित हैं कि क्या करना है, तो कृपया टेक्निशियन से सलाह ले सकते हैं। इसके साथ ही यहां कुछ काम दिए गए हैं, जिनमें आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग कर सकते हैं।

ऑफ-ग्रिड बिजली

अगर आपके पास बिजली की आपूर्ति नहीं है, तो आप पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल सौर पैनलों के साथ ऑफ-ग्रिड बिजली प्रोसेस बनाने के लिए कर सकते हैं। यह आपके घर या कारोबार को बिजली प्रदान करने में मदद कर सकता है, भले ही आपके पास ग्रिड से कनेक्शन न हो। बैटरी को ऑफ ग्रिड लाइटिंग प्रणाली के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे कि लैंटर्स या फ्लैशलाइट्स।

बैकअप पावर

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल बिजली कटौती के दौरान बैकअप पावर स्रोत के तौर पर कर सकते हैं। यह आपके कंप्यूटर, इक्विपमेंट को चालू रखने में मदद कर सकता है।

पोर्टेबल पावर

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल पोर्टेबल पावर स्रोत बनाने के लिए कर सकते हैं। यह आपके कैंपिंग, टेलगेटिंग या अन्य बाहरी गतिविधियों के लिए उपयोगी हो सकता है।

DIY परियोजनाएं

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग विभिन्न DIY परियोजनाओं के लिए कर सकते हैं, जैसे कि सौर चार्जर, इलेक्ट्रिक गो-कार्ट या आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था बनाना।

स्टोरेज

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल अन्य वस्तुओं को स्टोर करने के लिए कर सकते हैं, जैसे कि इक्विपमेंट , खिलौने या मौसमी सजावट। यह ध्यान रखना जरूरी है कि पुरानी इन्वर्टर बैटरी की क्षमता कम हो जाती है।

साइकिल या ऑटोमोबाइल बैटरी

इसे साइकिल या ऑटोमोबाइल की बैटरी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कि इसे एक उपयोगी विधिमान के रूप में दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सके। इन सबके अलावा लंबे समय से खराब पड़ी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल टेबलटॉप प्लांटर्स, वॉल हैंगिंग, साइड टेबल, कुर्सियां, गार्डन ऑर्नामिंट्स, लाइटिंग फीचर्स, लैंप बेस, फेयरी लाइट्स, स्कल्पचर, छोटे आइटम्स के लिए बॉक्सस, टूल होल्डर, थीम्ड डेकोरेशन, इंडस्ट्रियल थीम, रस्टिक थीम, पेंटिंग और सफाई के कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। ये नई बैटरी की तरह लंबे समय तक नहीं चल सकती हैं। इनका इस्तेमाल करने से पहले उनकी क्षमता का परीक्षण करना सुनिश्चित करें। पुरानी इन्वर्टर बैटरी का निपटान करते समय, यह सुनिश्चित करें कि आप इसे रीसायकल करें या इसे जिम्मेदारी से हटा दें। इन्वर्टर बैटरी में सीसा और अन्य खतरनाक सामग्री होती है। इन्हें पर्यावरण में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

कबाड़ इन्वर्टर बैटरी बेचकर मुनाफा कमाना

पुरानी इन्वर्टर बैटरी को बेचकर आप एक अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अगर आप प्रति किलो 70 से 80 रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं, तो 50 किलो की बैटरी से 3500 से 4000 रुपये और 70 किलो की बैटरी से 4900 से 5600 रुपये कमा सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आप सभी जरूरी सावधानियों का पालन कर रहे हैं और बैटरियों को सही तरीके से निस्तारित कर रहे हैं।

गर्मी के मौसम में इन तरीके से करें घर का मेकओवर

वर्तमान समय में लोग अपने घर को त्योहार और मौसम के हिसाब डेकोरेट और सेट करना पसंद करते हैं। खासतौर से गर्मी के मौसम में घर को अलग तरीके से सेट करना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में घर से जल्दी बदबू आने लगती है।

इस मौसम में अगर आप अपने घर को सही तरीके से सेट करके रखेंगी, तो इस समस्या का सामना करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस लेख में आज हम आपको कुछ ऐसे मेकओवर आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप गर्मी के हिसाब से इसे डेकोरेट कर सकती है।

नेचुरल लुक पसंद करने वाले करें ये काम

अगर आपको नेचुरल लुक पसंद है तो फूल पत्तियों के प्रिंट वाले कॉटन कुशन, सोफा कवर और टेबल कवर बिछाएं। इसके अलावा कमरे को और आकर्षक बनाने के लिए दीवारों पर प्रिंटेड कॉटन कर्टन लगाएं।

कमरे में लगाएं सीजनल प्लांट्स

घर को प्राकृतिक लुक देने के लिए घर के अंदर और चारों ओर पत्तेदार पौधे लगाएं। इंडोर प्लांट्स घर के इंटीरियर लुक को बढ़ाने का काम करता है। प्लांट नेचुरल एयर फिल्टर की तरह काम करते हैं, जो घर की वायु को शुद्ध रखते हैं। फर्न्स और ऑर्किड्स जैसे प्लांट को आप बालकनी और घर में लगा सकती हैं।

सुगंधित मोमबत्ती का करें इस्तेमाल

अच्छी सुगंध हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करने का काम करती है। ऐसे में आप अपने कमरे व घर में सुगंधित मोमबत्ती का इस्तेमाल कर सकती हैं। गर्मी के मौसम में अगर आप कमरे में ताजगी और प्यारी सी सुंगध चाहते हैं, तो फ्रेग्रेंस कैंडल का यूज करें।

पर्दा और ब्लाइंड का करें यूज

गर्मी के मौसम में कमरे बहुत ज्यादा गर्म होने लगते हैं। इससे बचने के लिए आप पर्दे और ब्लाइंड का उपयोग कर सकते हैं। ये दोनों चीजें सूरज की किरणों को कमरे में आने से रोकती है, जिससे हवा की मदद से गर्म लू अंदर नहीं आती है। इसके अलावा पर्दा लगाते समय उनके फैब्रिक का खास ध्यान दें।

मोटे कालीन का न करें इस्तेमाल

सर्दियों में हम सभी ठंड से बचने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते हैं। ये कालीन ठंड के साथ-साथ घर के लुक में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। अगर आप अभी भी इन कालीन को बिछा कर रखा हुआ है तो इन्हें बदल दें। इनकी जगह पतले और हल्के कालीन का उपयोग करें।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने जीते दो कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में दो कांस्य पदक और जीते। भारत के लिए धीरव बोम्मादेवरा और भजन कौर की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन चार पदक के साथ किया।

भारत के लिए इससे पहले शनिवार को ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

भारतीय मिक्स्ड जोड़ी ने वापसी कर जीता पदक

मिक्स्ड डबल्स में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। धीरज ने इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग के क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद देश को एक और पदक दिलाया। उन्होंने इटली के नौवें वरीय मार्को नेस्पोली को 7-3 (28-27, 29-28, 27-28, 28-28, 30-29) से हराया। यह विश्व कप में उनका दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में अपना पहला पदक जीता था।

धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व ओलंपिक टीम पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन से हार गए थे। सेना के इस जवान को अंतिम चार मैच में 2-6 (29-29, 27-30, 29-29, 27-29) से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अंकिता भकत पदक से चूकीं

भारत के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लकिन अंकिता भकत महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की यांग शियाओली से मामूली अंतर से हार गईं। यांग ने फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता लेकिन अंकिता कांस्य पदक के मैच में भी हार गईं।

इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास

- शतक की हैट्रिक लगाने से चूकी
- 3 मैचों में बनाए 343 रन

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में साऊथ अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ तीसरे वनडे में लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गई। स्मृति ने सीरीज के पहले दो मैचों में 117 और 136 रन बनाए थे। रविवार को तीसरे वनडे में 216 रनों का पीछा करते हुए स्मृति ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी। वह 31वें ओवर में 90 रन बनाकर आऊट हुई और अपने शतक से चूक गई। स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से यह रन बनाए। तीन वनडे मैचों की सीरीज में इसी के साथ स्मृति के 343 रन हो गए हैं। वह 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

पहले ही मिताली का रिकॉर्ड कर चुकी हैं बराबर

स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में दो शतक लगाए जिसके चलते उन्होंने अपने वनडे करियर में 7 शतक पूरे किए। भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले मिताली राज के नाम पर था। अब इसे स्मृति ने बराबर कर लिया है।

महिला वनडे में सबसे ज्यादा 15 शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग के नाम पर हैं जिन्होंने 103 मैचों में ही 15 शतक लगाए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम 13 शतक हैं। इंगलैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की अथापथ्थु, इंगलैंड की टिम ब्यूमोंट और एडवर्ड 9-9 शतक लगा चुकी हैं। अब स्मृति से आगे इंगलैंड की एस टेलर, न्यूजीलैंड की सोफिया डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की के रॉल्टन हैं जोकि 8-8 शतक लगा चुकी हैं।

ऐसा रहा तीसरा वनडे

दक्षिण अफ्रीका को ओपनर लौरा वोल्वार्ड्ट और तजमिन ब्रिट्स ने मजबूत शुरूआत दी। दोनों ने 20 ओवर के अंदर ही स्कोर 102 रन पर ला खड़ा किया। वोल्वार्ड्ट 57 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 61 तो तजिमन 38 रन बनाकर आऊट हुई। मध्यक्रम में नादिन डी क्लार्क ने 26, शंगासे ने 16 तो मिके डी रिडर ने 26 रन बनाकर स्कोर 215 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना के कारण मजबूत शुरूआत की। स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 90 तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 48 गेंदों पर 42 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

साउथ अफ्रीका 10 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

- वेस्टइंडीज को हरा तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा

नॉर्थ साउंड, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने 24 जून की सुबह (भारतीय समयानुसार) वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वेस्टइंडीज बनाम साउथ अफ्रीका का यह एंटिगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेला गया। यह मैच बारिश से प्रभावित रहा। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 135 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की पारी 2 ओवर ही हुए थे कि बारिश आ गई। उस समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 2 विकेट पर 15 रन था। बारिश बंद होने के बाद जब दोबारा खेल शुरू हुआ तो ओवर में कटौती के कारण साउथ अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति के आधार पर जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। पावरप्ले 5 ओवर का कर दिया गया। साउथ अफ्रीका ने यह लक्ष्य 16.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 124 रन बनाकर हासिल किया।

साउथ अफ्रीका की टी20 विश्व कप 2024 में लगातार 7वीं जीत

दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही 10 साल बाद टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले उसने 2014 के संस्करण में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। साउथ अफ्रीका की इस संस्करण यह लगातार 7वीं जीत है। उसने इस जीत के साथ ही श्रीलंका का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

श्रीलंका ने 2009, ऑस्ट्रेलिया ने 2010 संस्करण में जीते थे लगातार 6-6 मैच

श्रीलंका ने टी20 विश्व कप 2009 में लगातार 6 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद 2010 में ऑस्ट्रेलिया ने उसके इस रिकॉर्ड की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप 2021 में लगातार 6 जीत हासिल कीं, लेकिन श्रीलंका के रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया। अब दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया दोनों को पीछे छोड़ दिया।

इंग्लैंड टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में

बारबाडोस, एजेंसी। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के सुपर 8 चरण में इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने बारबाडोस के मैदान पर यूएसए को 10 विकेट से हराकर यह उपलब्धि अपने नाम की। इंग्लैंड को ग्रुप चरण में भी मुसीबत का सामना करना पड़ा था। लेकिन अच्छी किस्मत से वह सुपर 8 में क्वालिफाई हो गए थे। लेकिन सुपर 8 में वह गजब का प्रदर्शन कर रहे हैं। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने सुपर 8 में अपने दूसरे मुकाबले में यूएसए को महज 115 रन पर ही ढेर कर दिया था। जवाब में इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर बल्ले से मुखर रहे। उन्होंने एक ही ओवर में पांच छक्के भी लगाए और 83 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

- यूएसए के लिए स्टीवन टेलर और गौंस ओपनिंग पर आए। लेकिन पहली ही ओवर में गौंस 8 रन बनाकर आऊट हो गए। तभी स्टीवन टेलर और नितिश कुमार स्कोर को 43 रन तक ले गए। स्टीवन 12 रन बनाकर सैम कुरैन का शिकार हो गए। इसके बाद यूएसए के कप्तान आरोन जोंस महज 10 रन बनाकर आदिल राशिद की गेंद पर बोल्ड हो गए।

- यूएसए ने जब 56 रन पर तीन विकेट गंवा लिए थे तो आदिल राशिद ने उन्हें एक और झटका दिया। उन्होंने जमे हुए बल्लेबाज नितिश कुमार (30) को पवेलियन की राह दिखा दी। जिससे यूएसए का बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। मध्यक्रम में हरमीत सिंह ने जरूर 17 गेंदों पर 2 चौके और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए लेकिन बाकी बल्लेबाजी फेल हो गए।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अकुला ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

श्रीजा डब्ल्यूटीटी कंटेंडर में सिंगल्स वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने फाइनल में चीन की डिंग यिजी को 4-1 से हराया। श्रीजा ने इस टूर्नामेंट में कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। महिला सिंगल्स फाइनल में अकुला की शुरुआत थोड़ी खराब रही और वह अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी को पहला गेम 10-12 से गंवा बैठीं। लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए अगले चार गेम 11-9, 11-6, 11-8, 11-6 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस तरह भारत ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया।

महिला डबल्स में भी जीता स्वर्ण

श्रीजा ने अर्चना कामथ के साथ मिलकर महिला डबल्स वर्ग में हमवतन दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-9, 11-6, 12-10) से हराकर दूसरा स्वर्ण भी जीता।

भारत ने पुरुष डबल्स वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता।

एशियन चैंपियनशिप में रोहतक की मुस्कान व दिपांशी ने अंडर-17 मुकाबलों में जीता स्वर्ण, परिवार में जश्न

रोहतक, एजेंसी। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है। स्वर्ण पदक जीतने पर पहलवानों के परिवार व अखाड़े में खुशी का माहौल है। मंगलवार को घर लौटने पर दोनों पहलवानों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। एशियन चैंपियनशिप में पहले अंडर-17 व बाद में अंडर-19 के मुकाबले होंगे। ये चैंपियनशिप जार्डन में 22 से 30 जून तक हो रही है। कोच मंदीप ने बताया कि जार्डन में आयोजित कुश्ती एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी 46 किलोग्राम भार वर्ग व गांव अस्थल बोहर निवासी मुस्कान 53 किलोग्राम भार वर्ग में दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

हम काफी कुछ सीखकर जा रहे हैं : कोरी एंडरसन

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी। अमेरिका का टी20 विश्व कप में स्वर्णिम अभियान भले ही सुपर 8 में थम गया लेकिन उसके बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने कहा कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला।

अमेरिका ने टूर्नामेंट के पहले दौर में पाकिस्तान को हराया था तथा भारत के सामने भी कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन सुपर 8 चरण में उसे दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। एंडरसन ने रविवार को इंग्लैंड के हाथों मिली 10 विकेट से हार के बाद कहा, 'आसमान की भी एक सीमा होती है। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी क्रिकेट को लेकर चर्चा चल रही थी। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम प्रगति करते रहेंगे। एंडरसन मूल रूप से न्यूजीलैंड के रहने वाले हैं जिसके लिए उन्होंने 93 मैच भी खेले।

बाद में अमेरिका में बसने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम में अभी काफी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'कई ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जिनमें सुधार करने की जरूरत है। हम अभी आईसीसी के एसोसिएट देशों में शामिल है और बड़ी टीमों में शामिल होने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सुपर 8 में जगह बनाना निश्चित तौर पर अमेरिका के लिए ऐतिहासिक है।

रेस 4 में नजर आएंगे सलमान खान?

थ्रिलर फ्रैंचाइजी रेस अपनी चौथी किस्त के साथ वापस करेगी। फिल्म की तीन किस्तों ने फैंस के बीच खूब धमाल मचाया था। पहले दो किस्तों में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वहीं, तीसरी फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। रेस की अगली किस्त की पुष्टि निर्माता रमेश तौरानी ने की है। हालांकि अभी तक ये नहीं पता है कि क्या सलमान खान रेस फ्रैंचाइजी के साथ अपनी वापसी करेंगे। इसे लेकर रमेश तौरानी ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है। रमेश तौरानी ने पीटीआई से बात करते हुए फिल्म की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, अगली रेस किस्त के लिए स्क्रिप्ट तैयार है।

हम जल्द ही फिल्म की कास्टिंग की घोषणा करेंगे। कास्ट नई होगी। मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता कि सलमान खान इसका हिस्सा होंगे या नहीं। यह फिल्म साल के अंत तक फ्लोर पर आ जाएगी। अभी यह तय नहीं हुआ है कि इसका निर्देशन कौन करेगा।

रामू चाहते थे 'कंपनी' में शाहरुख दाऊद का रोल करें

फिल्ममेकर रामगोपाल वर्मा ने खुलासा किया कि 2002 में रिलीज हुई हिट फिल्म 'कंपनी' में वो शाहरुख खान और कमल हासन को कास्ट करना चाहते थे। वर्मा चाहते थे कि फिल्म में शाहरुख अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का और अभिषेक बच्चन छोटा राजन का रोल करेंगे। वहीं कमल हासन को वो उस रोल में कास्ट करना चाहते जिसे फिल्म में मोहनलाल ने निभाया था। अपने यूट्यूब चैनल पर इस फिल्म की कास्टिंग पर चर्चा करते हुए रामगोपाल ने कहा, 'इस रोल के लिए मेरी सबसे पहली पसंद शाहरुख खान थे। जब मैं शाहरुख से मिला तब बहुत एक्साइटेड था। मैं चाहता था कि वो दाऊद का रोल प्ले करें। पर उनसे मिलकर मुझे लगा कि वो बहुत एनर्जेटिक हैं।

आमिर ने सेवाग्राम में महात्मा गांधी के आश्रम का किया दौरा

महाराष्ट्र में स्थित सेवाग्राम महात्मा गांधी का आश्रम है। 1936 से 1948 में अपनी मृत्यु तक वे यहीं रहे। आमिर खान ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मैं पहली बार सेवाग्राम आया हूं। यहां एक जादुई ऊर्जा है। मैं बापूजी का अनुयायी रहा हूं। उनके विचारों का मुझ पर बहुत प्रभाव है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं उस जगह आया हूं, जहां उन्होंने समय बिताए हैं। उन्होंने जिन चीजों का इस्तेमाल किया था। उन्हें देखकर बहुत अच्छा लगा, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह वाकई एक अद्भुत जगह है। बता दें कि आमिर खान पहली बार 1973 की फिल्म यादों की बारात में आठ साल की उम्र में पर्दे पर नजर आए थे। आमिर ने 1988 की रोमांटिक फिल्म कयामत से कयामत तक में जूही चावला के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद के घर में दफन मिला महिला का कंकाल, सऊदी अरब से आया ईमेल तो यूं खुला राज

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद जिले के एक गांव में एक घर में गड्ढे में दफन एक युवती का कंकाल बरामद किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना धौज गांव की है और युवती के पिता की शिकायत के बाद इसका खुलासा हुआ।

इस संबंध में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि लंबे समय तक अपनी बेटी से कोई संपर्क नहीं होने पर सऊदी अरब में रहने वाले युवती के पिता ने सात जून को ई-मेल के जरिए पुलिस को शिकायत दी जिसके बाद युवती की मां को बुलाकर पूछताछ की गई।

उन्होंने कहा, पूछताछ में युवती की मां ने बताया कि उसकी बेटी एक वर्ष पहले किसी लड़के साथ घर से चली गई थी और बाद में वापस आ गई। इसके बाद रिश्तेदारों के तानों से तंग आकर सितंबर 2023 में उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्रवक्ता ने कहा, उसने (युवती की मां) बताया कि शव को घर के एक कमरे में गड्ढा खोदकर दफना दिया गया था। महिला के बयान के आधार पर सहायक पुलिस आयुक्त (मुजेसर) महेश श्योराण, बड़खल के तहसीलदार, फॉरेंसिक विशेषज्ञ तथा धौज थाना प्रभारी की टीम मौके पर पहुंची और खुदाई में युवती का कंकाल बरामद किया।

प्रवक्ता ने बताया कि शव को बादशाह खान अस्पताल में रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमॉर्टम नूंह जिले के नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में होगा। उन्होंने बताया कि अपराध शाखा भी मामले की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेरा बीपी और शुगर लेवल गिर रहा...अनशन आतिशी का बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जारी जल संकट को लेकर आप सरकार लगातार पड़ोसी राज्यों पर हमलावर है। हरियाणा से पानी छोड़ने की अपील करते हुए दिल्ली की जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं हैं। उनका कहना है कि जब तक हरियाणा सरकार दिल्लीवालों के हक का पानी नहीं छोड़ देती, अनशन जारी रहेगा। आज आतिशि के अनशन का चौथा दिन है। इस बीच उन्होंने वीडियो संदेश जारी करते हुए अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि चाहे उनका स्वास्थ्य कितना भी खराब क्यों ना हो जाए, जब तक दिल्ली वालों की प्यास नहीं बुझ झाती उनका अनशन जारी रहेगा। वीडियो संदेश में आतिशी ने कहा, आज मेरे अनिश्चितकालीन अनशन का चौथा दिन है। मैं अनशन पर हूं क्योंकि दिल्ली में पानी की भारी कमी है। पिछले 3 हफ्तों से हरियाणा ने सप्लाई कम कर दी है। दिल्लीवासियों को पिछले 3 सप्ताह से हरियाणा सरकार 100 एमजीडी कम पानी दे रही है। उन्होंने कहा, कल डॉक्टर आए थे और उन्होंने मेरा चेकअप किया। उन्होंने कहा कि मेरा बीपी लो हो रहा है, शुगर लो हो रहा है मेरा वजन कम हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कीटोन का स्तर बहुत बढ़ गया है जो मेरे स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, चाहे मेरे शरीर में कितना भी दर्द हो, इस उपवास को करने का मेरा संकल्प मजबूत है और जब तक 28 लाख दिल्लीवासियों को पानी नहीं मिलेगा, मेरा अनिश्चितकालीन उपवास जारी रहेगा। इससे पहले दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि हरियाणा सरकार ने हथिनीकुंड बैराज के सभी फाटक बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपना अनिश्चितकालीन अनशन जारी रखेंगी। दिल्ली के लिए पानी छोड़ने में इसी बैराज का उपयोग किया जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो साझा कर अपने संदेश में कहा, ''दिल्ली के हिस्से के पानी के लिए मैं भूख हड़ताल पर हूं। हरियाणा सरकार 100 एमजीडी पानी कम छोड़ रही है, जिससे दिल्ली के करीब 28 लाख लोग पानी से वंचित हैं। कुछ पत्रकारों ने बताया है कि हथिनीकुंड बैराज पानी से भरा हुआ है लेकिन हरियाणा सरकार ने उस पानी को राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंचने से रोकने के लिए सभी फाटक बंद कर दिए हैं।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को झुलसाने वाली लू अब परेशान नहीं करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीआर के लोगों को झुलसाने वाली लू अब दोबारा परेशान नहीं करेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि लगातार बादलों की आवाजाही और हल्की बूंदाबांदी से मौसम सामान्य बना रहेगा। इस बीच, रविवार को भी दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई। दिल्ली के लोगों के लिए इस बार तपिश भरी गर्मियों का मौसम लंबा खिंच गया। लगभग 40 दिनों तक लगातार झुलसाने वाली गर्मियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हल्के बादलों की मौजूदगी और बूंदाबांदी के चलते अब मौसम अपेक्षाकृत बेहतर हुआ है।

सफदरजंग मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। रविवार को दिन में पालम मौसम केंद्र में सबसे ज्यादा 6.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आयानगर में 1.2 और सफदरजंग में 0.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले सप्ताह भर मौसम के अलग-अलग सिस्टम की मौजूदगी बनी रहेगी।

वायु गुणवत्ता सूचकांक के स्तर में आया सुधार

मौसम में हुए बदलाव से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं दिल्ली की हवा में मौजूद प्रदूषक कण भी इससे काफी हद तक साफ हो गए हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 148 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है।

हीट स्ट्रोक के तीन नए मरीज भर्ती, एक की मौत

वहीं, दिल्ली में शनिवार को हीट स्ट्रोक के तीन नए मरीज भर्ती हुए। वहीं, सफदरजंग अस्पताल में एक मरीज की मौत हो गई। सफदरजंग अस्पताल के हीट स्ट्रोक वार्ड में रविवार तक कुल 15 मरीज भर्ती थे। इनमें 10 मरीज गंभीर हालत में वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टरों का कहना है कि आने वाले समय में गर्मी और उमस बढ़ने से हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या में इजाफा हो सकता है। डॉक्टरों ने लोगों को खूब पानी पीने और पसीना ज्यादा न बहने से बचने की सलाह दी। सफदरजंग अस्पताल में मार्च से अभी तक गर्मी की वजह से 91 मरीज भर्ती किए गए हैं। इनमें 16 जून से 21 जून तक चार दिनों में ही 69 मरीज भर्ती हुए हैं। एक जून से अब तक हीट स्ट्रोक की वजह से कुल 30 लोगों की मौत हो चुकी है।

बर्गर किंग हत्याकांड: कटरा रेलवे स्टेशन पर दिखी लेडी डॉन, वीडियो वायरल

नईदिल्ली, एजेंसी। राजौरी गार्डन हत्याकांड में शामिल लेडी डॉन घटना के बाद से ही फरार है। उसे पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस बीच एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें लेडी डॉन जम्मू के कटरा रेलवे स्टेशन पर दिखाई दे रही है। मामले की जांच कर रही पुलिस टीम कटरा पहुंची तो पता चला कि लेडी डॉन ने मुंबई जाने वाली ट्रेन पकड़ी थी।

इस एंगल पर अंटकी जांच: इसके बाद पुलिस की जांच अब जम्मू से लेकर महाराष्ट्र के रास्ते में अटक गई है। पुलिस ट्रेन के रूट पर आने वाले स्टेशनों की जांच कर रही है, जिससे यह पता लगया जा सके कि वह मुंबई पहुंची थी या फिर रास्ते में ही किसी स्टेशन पर उतर गई।

वाई फाई का इस्तेमाल करने से हुई पहचान: पुलिस सूत्रों ने बताया कि लेडी डॉन ने कटरा रेलवे स्टेशन पर लगे वाई फाई का इस्तेमाल किया था। इससे पुलिस को उसके मोबाइल की लोकेशन मिली। ज्ञात हो कि राजौरी गार्डन स्थित एक रेस्तरां में अशोक प्रधान गैंग के शूटर अमन पर हिंमाशु भाऊ गैंग के शूटरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी।

हनीट्रैप में फंसाया, फिर कर दी हत्या: आरोपियों ने 40 राउंड से ज्यादा फायरिंग की। इसमें अमन की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमन को रेस्तरां तक लाने के लिए हिमांशु गैंग ने लेडी डॉन का सहारा लिया था।

नमो भारत ट्रेन अब मेरठ दक्षिण तक दौड़ने को तैयार, 42 किमी लंबा है यह रूट

नईदिल्ली, एजेंसी। नमो भारत ट्रेन को मोदीनगर से मेरठ दक्षिण स्टेशन तक चलाने की तैयारी पूरी हो गई है। मेरठ दक्षिण स्टेशन भी बनकर तैयार हो गया है। इसके साथ ही मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर ने भी ट्रेन के परिचालन की अनुमति दे दी है, लेकिन अभी ट्रेन के परिचालन की तिथि तय नहीं हुई है।

नमो भारत ट्रेन अभी साहिबाबाद से मोदीनगर नॉर्थ स्टेशन तक चल रही है। पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक ट्रेन का परिचालन हुआ था। इसके बाद दूसरा खंड दुहाई से मोदीनगर नॉर्थ स्टेशन तक खोला गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने ट्रेन को मोदीनगर से आगे मेरठ दक्षिण स्टेशन तक परिचालन की तैयारी पूरी कर ली है। वाहन खड़े करने के लिए पार्किंग बना दी गई है। सिग्नल और प्लैटफॉर्म बन गए हैं। ट्रेन चलाने से पहले की सभी औपचारिकता पूरी हो गई हैं। कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी ने भी ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी है। उद्घाटन की तिथि तय नहीं होने से यात्रियों का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है।

एनसीआरटीसी के सीपीआरओ पुनीत वत्स ने बताया कि मेरठ दक्षिण तक ट्रेन चलाने की तैयारी पूरी हो गई है। ट्रेन का परिचालन जल्द शुरू होगा।

42 किलोमीटर लंबा है ट्रेन का यह खंड: मेरठ दक्षिण स्टेशन तक परिचालन के बाद ट्रेन 42 किलोमीटर लंबे खंड पर चलने लगेगी। अभी तक ट्रेन 34 किलोमीटर लंबे खंड चल रही है। मेरठ से ट्रेन चलने के बाद सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में भी इजाफा हो जाएगा। इससे मेरठ के लोगों की राह आसान हो जाएगी।

भाजपा के 5 नेताओं पर लटकी कार्रवाई की तलवार, चुनाव में डॉ. महेश शर्मा के खिलाफ किया था काम

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में भाजपा के पांच नेताओं पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 परिणामों की समीक्षा के बाद तैयार की गई रिपोर्ट में ऐसे पांच नेताओं के नाम हाईकमान को भेजे हैं, जिन्होंने चुनाव में पार्टी प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के खिलाफ काम किया। रिपोर्ट के साथ इसके साक्ष्य भी हाईकमान को उपलब्ध कराए गए हैं।

इससे इन पांच नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की तलवार लटक गई है। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा संगठन हर लोकसभा क्षेत्र को लेकर समीक्षा कर रहा है। समीक्षा के बाद गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट को लेकर जो रिपोर्ट तैयार हुई है, वह काफी चौंकाने वाली है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और संगठन के अन्य पदाधिकारियों की मानें तो समीक्षा के दौरान ऐसे 17 नामों पर चर्चा हुई, जिन पर चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने के आरोप लगे थे। हालांकि, चर्चा के बाद जो रिपोर्ट हाईकमान को भेजी गई है, उसमें पांच लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें तीन जनप्रतिनिधि और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं। इनके विरोध के साक्ष्य भी बैठक में रखे गए थे। इनमें दो जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी निकटवर्ती जिले बुलंदशहर के बताए गए हैं, जबकि अन्य गौतमबुद्धनगर जिले से संबंधित हैं। समीक्षा के बाद तैयार हुई इस रिपोर्ट की चर्चा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच है।

दो जिलों में बंटी सीट

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट में शामिल पांच विधानसभा दो जिलों में बंटी हैं। नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा सीट गौतमबुद्धनगर जिले में हैं। सिकंदराबाद और खुर्जा विधानसभा सीट बुलंदशहर जिले में आती हैं। लोकसभा में बड़ा इलाका बुलंदशहर जिले का होने के कारण वहां के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों का इस लोकसभा क्षेत्र में खासा दखल रहता है।

कार्यकर्ताओं ने मेहनत से लड़ाया चुनाव : महेश शर्मा

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर सबसे बड़ी जीत दर्ज कराने वाले डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत से चुनाव लड़ाया। इसका परिणाम है कि वह प्रदेश की सबसे बड़ी जीत दर्ज कराने में कामयाब हो सके। अब चुनाव में किसने विरोध किया वह इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। पार्टी हाईकमान ने चुनाव को लेकर समीक्षा की है और संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट दी है। उसी रिपोर्ट पर शीर्ष नेतृत्व को फैसला लेना है।

कनाडा में भारतीय मिशन ने कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी मनाई, उच्चायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

ओटावा , एजेंसी। कनाडा की राजधानी ओटावा और टोरंटो शहर में भारतीय मिशन ने रविवार को 1985 में हुए कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी मनाई। इस घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार 86 बच्चों समेत 329 लोगों की मौत हो गई थी।

उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश की सरकार को राजनीतिक लाभ के लिए अपने क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मानव जीवन राजनीतिक हितों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इससे पहले कि आतंकी गतिविधियां बड़े पैमाने पर मानवता को नुकसान पहुंचाना शुरू करें, आतंकके खिलाफ कानूनी व सामाजिक कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने, उनके वित्तपोषण को रोकने और उनकी विकृत विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

इससे पहले, टोरंटो में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, महावाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ ने 39 साल पहले इसी दिन एआई 182 में हुए बम विस्फोट में जान गंवाने वाले 329 लोगों की याद में एअर इंडिया 182 स्मारक, हंबर पार्क, एटोबिकोक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

वर्ष 1985 का कनिष्क बम विस्फोट इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में शुमार : जयशंकर: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 1985 में 'कनिष्क' विमान पर हुआ हमला इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक है। बम विस्फोट की घटना के 39 साल पूरे होने पर उनकी यह टिप्पणी कनाडा की धरती से खालिस्तानी चरमपंथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव के बीच आई। जयशंकर ने एक्स' पर कहा, आज इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक के 39 साल पूरे हो गए। मैं एआई-182 'कनिष्क' के 329 पीड़ितों की स्मृति में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो 1985 में इसी दिन मारे गए थे।

भीषण गर्मी ही नहीं और भी है हज यात्रियों की मौत की वजह

काहिरा एजेंसी। सऊदी अरब में इस साल भीषण गर्मी कहर बनकर आई है। इस बार हज यात्रा करने पहुंचे 1300 से अधिक लोगों की इस चिलचिलाती गर्मी के कारण मौत हो चुकी है। हर दिन मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है।

सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्री फहद बिन अब्दुर्रहमान अल-जलाजेल ने कहा कि 1301 मौतों में से 83 फीसद बिना पंजीकृत के आए तीर्थयात्री थे, जो पवित्र शहर मक्का और उसके आसपास हज की रस्में निभाने के लिए भीषण गर्मी में लंबी दूरी तय करते थे। राज्य के स्वामित्व वाले अल एखबरिया टीवी से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि 95 तीर्थयात्रियों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है, जिनमें से कुछ को राजधानी रियाद में इलाज के लिए हवाई मार्ग से ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि पहचान प्रक्रिया में देरी हुई, क्योंकि उनमें से कई मृत तीर्थयात्रियों के पास पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं थे। मंत्री ने आगे कहा कि मृतकों को मक्का में दफनाया गया, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मृतकों में 660 से अधिक मिस्र के लोग शामिल हैं। काहिरा में दो अधिकारियों के अनुसार, उनमें से 31 को छोड़कर बाकी सभी अनधिकृत तीर्थयात्री थे। मिस्र ने 16 ट्रैवल एजेंसियों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं, जिन्होंने अनधिकृत तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब की यात्रा करने में मदद की थी।

दागेस्तान-माखचकाला में आतंकी हमला; 15 पुलिसकर्मियों समेत कई नागरिकों की मौत, छह हमलावर भी ढेर

दागेस्तान (रूस) , एजेंसी। रूस के दक्षिणी प्रांत-दागेस्तान में ईसाईयों और यहूदियों के धर्मस्थल (सिनेगॉग) पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने की खबर है। गोलीबारी दागेस्तान के डर्बेंट शहर में हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एपी के हवाले से बताया कि दागेस्तान के गवर्नर ने बताया कि बंदूकधारियों के हमलों में 15 से अधिक पुलिसकर्मियों और कई नागरिकों की हत्या कर दी गई है।वहीं, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में छह आतंकियों को मार गिराया है। हमले में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस के दागेस्तान में रविवार को आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया। क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस मनाया जाएगा।

दागेस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर पर स्थित डर्बेंट शहर में एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इससे दोनों जगह आग लग गई। लगभग उसी समय, माखचकाला में एक चर्च और एक यातायात पुलिस चौकी पर हमले की खबरें सामने आईं।

इतने हमलावर मार गिराए: अधिकारियों ने क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया और पांच हमलावरों को मार गिराया। हालांकि, गवर्नर का कहना है कि छह बंदूकधारियों को मार गिराया है। फिलहाल, इसकी स्पष्ट पुष्टि नहीं हो सकी है।

सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया: हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने एक आतंकवादी अधिनियम के आरोप में एक आपराधिक जांच शुरू की। इससे पहले देर रात आई विदेशी मीडिया की शुरुआती खबर में इसे आतंकी हमला बताया गया। फायरिंग में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मी समेत सात लोगों की मौत की खबर आई थी। अब मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 15 हो चुका है। वहीं, हमलावरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान रूस के सुरक्षाबलों ने कई हमलावरों को मार गिराया।

एक को हिरासत में लिया: रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागेस्तानी के एक अधिकारी को हमलों में उनके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है। मेलिकोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति कानून प्रवर्तन और स्थानीय अधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कसम खाई कि हमलों की जांच तब तक जारी रहेगी जब तक कि आतंकवादियों का पता नहीं चल जाता। उन्होंने बिना सबूत दिए दावा किया कि हमलों की तैयारी विदेश से की गई हो सकती है।

छह अधिकारियों और पादरी की मौत: इससे पहले हमले के बारे में दागेस्तान लोक निगरानी आयोग के शमील खदुलेव ने बताया था कि चर्च पर हमले में पादरी और छह अधिकारियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक डेरबेंट के चर्च में मारे गए पादरी की पहचान 66 वर्षीय फादर निकोले के रूप में हुई है। आतंकियों ने गला रेतकर इनकी नृशंस हत्या कर दी। चर्च की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी की हत्या गोलीमार की गई। गार्ड के पास केवल एक पिस्तौल थी।

माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर आतंकी हमला: खबर के मुताबिक आतंकी हमले के बाद यहूदियों के धर्मस्थल की एक मंजिल पर बनी खिड़कियों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें निकलती देखी गईं। धुएं का गुबार भी देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को तीन जगहों पर हमले किए गए। माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर हमले की खबरें मिली हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में 12 कानून प्रवर्तन अधिकारी घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक तीनों जगहों पर हमले के तरीके और समय को देखते हुए ऐसा लगता है कि हमलावरों ने संगठित तरीके से हमले किए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।